

पुलिस की साप्ताहिक जन सुनवाई में शिकायतों पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सभी 15 जिलों में शनिवार को साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की। इस दौरान 1489 शिकायतों पर कार्रवाई करने की बात पुलिस ने कही है। दावा किया जा रहा है कि लगातार बारिश के बावजूद जनसुनवाई में लोगों की जबरदस्त भागीदारी रही। पीआरओ विभाग के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों ने शिकायतें सुनीं और तुरंत समाधान के लिए निर्देश जारी किए। आयोजन स्थलों पर जरूरी इंतजाम किए गए थे ताकि नागरिक बिना किसी परेशानी के इस प्रक्रिया में शामिल हो सकें। यह पहल शिकायतकर्ताओं और स्थानीय निवासियों को अपनी शिकायतें, चिंताएं और सुझाव रखने के लिए एक सीधा मंच प्रदान करती है। उठाए गए मामलों को ध्यान से सुना गया और उचित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किए गए। गौरतलब है कि उपराज्यपाल सरदार तमनजीत सिंह संघु के निर्देशों पर जून 2026 में शुरू की गई थाना दिवस या जनसुनवाई पहल नागरिकों को हर शनिवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपनी शिकायतें और समस्याएं रखने का सीधा मंच प्रदान करती है। इसका उद्देश्य पुलिस का जनता तक पहुंच बढ़ाना और शिकायतों का तुरंत समाधान सुनिश्चित करना है।

आबकारी और जुआ अधिनियम में छह महिलाओं समेत 39 दबोचे

नई दिल्ली। आउटर डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने संगठित अपराध पर प्रहार करते हुए महज 24 घंटों के ऑपरेशन में आबकारी और जुआ अधिनियम के तहत 30 मामले दर्ज किए। इस दौरान छह महिलाओं समेत 39 लोगों को पकड़ा गया। जुए के लिये दंव पर लगे 23,960 रुपये भी जब्त किये गये। अवैध शराब की 3,662 क्वार्टर बरामद किये गये। डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार जुआ अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई में 25 लोगों को पकड़ा। कुल 17 मामले दर्ज किए गए। इनके पास से सट्टेबाजी में इस्तेमाल किए गए 23,960 रुपये जब्त और जुए का सामान बरामद हुआ। अवैध शराब की 3662 क्वार्टर जब्त किये। कुल 13 मामले दर्ज किए गए हैं और इन मामलों के सिलसिले में 14 लोगों को पकड़ा गया है, जिनमें छह महिलाएं शामिल हैं।

गैंगस्टर मोनू पोचनपुरिया क्राइम ब्रांच ने दबोचा
नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-1 टीम ने गैंगस्टर मोनू पोचनपुरिया उर्फ राजीव डागर (46) को गिरफ्तार किया है। इस पर 14 आपराधिक मामले दर्ज थे। बदमाश से दो आधुनिक पिस्टल और 16 कारतूस बरामद हुये। राजीव को मोनू इस्सापुर के नाम से भी जाना जाता है। वह इस्सापुर, जाफरपुर कलां गांव का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार इसे 2018 में गैंगस्टर संदीप उर्फ मेंटेल और उसके साथी पवन पानी के दोहरे हत्याकांड के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी पर हत्या, हत्या का प्रयास, जबरन वसूली, आर्म्स एक्ट के तहत अपराध, धोखाधड़ी, चोरी और अन्य गंभीर अपराध दर्ज हैं। इसे जनकपुरी के हयात होटल के पास रोका गया था। इसके साथियों, हथियार सप्लायरों और गैंग से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है।

छत का प्लास्टर गिरने से 15 वर्षीय किशोर की मौत नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में रविवार को एक कमरे की छत का प्लास्टर गिर गया। मलबे में दबने के कारण 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के वक्त वह अपने जुड़वा भाई के साथ सो रहा था। भाई को भी चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार यह घटना रविवार सुबह करीब पांच बजे वेलकम में कब्रिस्तान पुलिया के पास हुई। पुलिस को सुबह करीब सात बजे इस घटना की सूचना मिली। तब तक परिवार के सदस्य किशोर को आनंद विहार स्थित कैलाश दीपक अस्पताल ले जा चुके थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि इस घटना में उसके जुड़वां भाई को भी चोटें आई हैं। उसे वेलकम इलाके के एक नर्सिंग होम में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से पांच कारतूस भी बरामद किए हैं। इस सिलसिले में भी जांच की जा रही है।

टाटा मोटर्स जॉब स्कैम का पर्दाफाश, पांच लोग अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ॥नई दिल्ली

उत्तरी जिले की पुलिस ने टाटा मोटर्स जॉब स्कैम का पर्दाफाश करने हुये पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी जॉब रिक्रूटमेंट प्लेटफॉर्म से उम्मीदवारों का डाटा हासिल कर उसका इस्तेमाल धोखाधड़ी वाले कॉल करने के लिए भी करते थे। इनसे टाटा मोटर्स के फर्जी जॉइनिंग लेटर, क्यूआर कोड और डिजिटल ड्रिवाइस बरामद किए गए। इसके अलावा 12 मोबाइल फोन, एक टैबलेट, सात एटीएम कार्ड, दो पासबुक और 6,730 रुपये नकद बरामद हुये हैं। पैसे के लेनदेन और अन्य पीडितों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सतीश चंद्र मौर्य, बिंदिया उर्फ माही, प्रीति



उर्फ सुप्रिया, प्राची उर्फ स्वीटी और राधिका उर्फ भूमि है। डीसीपी निहारिका भट्ट के अनुसार एएटीएस को संगम विहार, झड़ोदा माजरा में चल रहे एक संदिग्ध फर्जी कॉल सेंटर के बारे में सूचना मिली थी। पुलिस ने कॉल सेंटर पर छापा मारा। छापे के दौरान सतीश चंद्र मौर्य उर्फ करण उर्फ हरीश को अन्य टेली-कॉलर्स

के साथ कॉल सेंटर चलाते हुए पाया गया। शुरुआती जांच से पता चला कि बेरोजगार उम्मीदवारों से संपर्क करके उन्हें डाटा एंट्री ऑपरेटर, डाटा एनालिस्ट, वेब डिजाइनर और अकाउंटेंट जैसी नौकरियों का ऑफर दिया जा रहा था और भर्ती प्रक्रिया के अलग अलग चरणों में उनसे पैसे जमा करने के लिए कहा जा रहा था।

कहीं हुई हल्की बारिश तो कहीं बूदाबांदी

हरिभूमि न्यूज ॥नई दिल्ली

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश वीकेंड रविवार को भी जारी रही। हालात यह रहे कि राजधानी के अधिकांश क्षेत्रों में जलभराव से हालात खराब रहे। चौथे दिन रविवार को भी सुबह से ही बारिश का दौर शुरू हुआ जो दोपहर बाद तक रह रहकर चलता रहा। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक दिल्ली में सफरदर्जन वैधशाला ने 2.4 मिमी बारिश दर्ज की। जबकि सबसे अधिक बारिश रिज एरिया में 13.8 मिमी दर्ज हुई। वहीं पालम में 4.9 मिमी, पूसा में 11 मिमी, नजफगढ़ में 0.5 मिमी और मयूर विहार में 2.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं सुबह साढ़े आठ बजे से पहले के 24 घंटों में दिल्ली में कुल 29 मिमी बारिश दर्ज हुई। मौसम को लेकर

■ दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में जलभराव से हालात खराब

आईएमडी ने ताजा अनुमान में कहा है कि सोमवार से बारिश में कमी दर्ज होगा और कहीं कहीं हल्की बूदाबांदी दर्ज होगी। वहीं मंगलवार से अगले तीन चार दिन राजधानी दिल्ली में बारिश की गतिविधियों पर ब्रेक लगने की संभावना द्वाव है। इस दौरान धीरे धीरे तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

आसमान पर बादलों का आना जाना लगा रहेगा लेकिन बारिश की गुंजाइश बेहद कम है। इसके बाद अगले सप्ताह में एक बार फिर बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।

बता दें कि दिल्ली में चार दिन से रह रहकर बारिश हो रही है जिससे लोगों को उमस से राहत मिली है। लेकिन जगह जगह जलभराव से परेशानी भी बढ़ी है।

बारिश के बाद सड़कों पर बिखरा पड़ा कचरा, जनता परेशान

नई दिल्ली। बारिश थमते ही दिल्ली के कई प्रमुख मार्गों, अंडरपास और रिहायशी कॉलोनियों में स्थिति बदतर नजर आने लगी है। जलभराव के साथ-साथ सड़कों पर तेरते कचरे, प्लास्टिक की बोतलों और नालों और नालियों से बाहर आई गंद के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क किनारे पड़े खुले ड्रिपिंग प्वाइंट्स से बारिश का पानी प्लास्टिक और पॉलीथीन को बहाकर नालियों के मुहाने तक ले आया, जिससे जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई। पूर्वी दिल्ली के अधिकतर इलाकों में ऐसी स्थिति बनी हुई है। लक्ष्मीनगर विधानसभा की बात करें तो शकटपुर, मंडावली, मडर डेयरी, पांडव नगर, गणेश नगर आदि की गलियों की बात करें तो यहां बारिश का पानी भर गया था

लेकिन पानी निकलने के बाद सड़कों पर कूड़ा जमा हो गया है जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। मंडावली के शिव मंदिर मार्ग की हालत तो बेहद खराब है। यहां नालियां साफ न होने के कारण बिना बारिश के भी पानी सड़क पर भरा रहता है। गली नंबर 3 के पास स्थित दुकानों के आगे नालियों का पानी भरा रहता है। वहीं राजू कचौड़ी की दुकान के आगे भी पानी भरा रहता है। इसके अलावा मंडावली के मुख्य मार्ग की बात करें तो पिछले छह महीने में कुछ हिस्से में ही नाला और सड़क बन पाई बाकी हिस्सा खुदा हुआ पड़ा है। जहां मलबे में अक्सर लोग गिरकर चोटिल होते रहते हैं। वहीं सड़क न बनने से यहां के दुकानदार मायूस हैं और कह रहे हैं पिछले छह महीने से कारोबार खिचकुल ठप है।

दिल्ली देहात के घोघा गांव ने 25 अक्टूबर को 'जीवन सम्मान यज्ञ' : सुरेंद्र सोलंकी

महापंचायत में सामाजिक मूल्यों और संस्कृति को बचाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ॥नई दिल्ली

खाप पंचायत पालम 360 के प्रधान सुरेंद्र सोलंकी की अध्यक्षता मे रविवार को दिल्ली के घोघा गांव में हुई महापंचायत में दिल्ली-एनसीआर के गांवों से आई 36 बिरादरियों के हजारों लोगों ने सामाजिक मूल्यों और संस्कृति को बचाने तथा युवाओं को सही दिशा देने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा कि आजकल देखा जा रहा है कि युवा अपने माता-पिता और परिवार से धीरे-धीरे दूर होते जा रहे हैं, जिससे कई मामलों में बुजुर्गों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सोलंकी के अनुसार, यह महापंचायत बुजुर्गों और युवाओं के लिए एक साझा मंच बनी, जहां दोनों



ने अपने विचार रखे और समाज की भलाई के लिए मिलकर योगदान देने पर सहमति बनी।

इस अवसर पर पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने महापंचायत में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए एलान किया कि 25 अक्टूबर को दिल्ली के घोघा गांव में 'जीवन सम्मान यज्ञ' का

आयोजन किया जाएगा। इस यज्ञ में दीपक भारद्वाज के बुजुर्ग माता-पिता को सम्मानित किया जाएगा जबकि दीपक भारद्वाज को अपने माता-पिता के प्रति समर्पण और सेवा भाव को लिए 'श्रवण कुमार' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

सोलंकी ने कहा कि संस्कृति को बचाने में जेन-जी की भूमिका

जांच के दौरान मिली जानकारी के आधार पर संगम विहार, वजीराबाद इलाके में छापा मार तीन आरोपी पकड़े गये। आगे की जांच में पता चला कि आरोपी जॉब है स्पোর্ट नाम के एक ऐप के जरिए नौकरी चाहने वालों की निजी जानकारी हासिल कर रहे थे, जहां उम्मीदवार रजिस्टर करते थे और अलग अलग नौकरियों के लिए अप्लाई करते थे। आरोपी खास तौर पर उन उम्मीदवारों को निशाना बनाते थे जिन्होंने टाटा मोटर्स में नौकरी के लिए अप्लाई किया था और फिर भर्ती प्रक्रिया से जुड़े प्रतिनिधि बनकर उनसे संपर्क करते थे। जांच आगे बढ़ी और दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। इनके दूसरे साथियों की पहचान करने के लिये आगे की जांच चल रही है।

स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी ॥नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक नाबालिग कार्यकर्ता के पिता पर कथित हमले से जुड़े मामले में हिंदुवादी 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज को रविवार को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। भारद्वाज को ड्यूटी मजिस्ट्रेट अंजलि सिंह के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पेश किया गया जिन्होंने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पहले शनिवार को भारद्वाज को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर के आवास पर पेश किया गया था। अदालत ने आरोपी से हिरासत में एक दिन पूछताछ करने को दिल्ली पुलिस की याचिका स्वीकार कर ली थी। दिल्ली पुलिस ने जून में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान नाबालिग कार्यकर्ता के पिता संजय कुमार पर कथित हमले के मामले में भारद्वाज के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में शुक्रवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम तथा आपराधिक धमकी से संबंधित धाराएं भी जोड़ दी थीं। भारद्वाज के खिलाफ लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। काँजपा ने कथित हमले के मामले

में भारद्वाज की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन किया था। इसके कुछ घंटों बाद भारद्वाज को बुलंदशहर में हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई भारद्वाज के एक साक्षात्कार को लेकर पैदा हुए विवाद के बाद की गई जिसमें उसने दावा किया था कि 23 जून के प्रदर्शन के दौरान उसने नाबालिग कार्यकर्ता के पिता का 'सिर फोड़ दिया था।' भारद्वाज ने साक्षात्कार में कहा था कि मैंने सिर 'फोड़ दिया... क्या आपको पता है कि इस अपराध में कौन-सी धारा लागती है? धारा 307। उन्हें 60 टांके लगाए पड़े थे। दिल्ली पुलिस ने इससे पहले कहा था कि संजय को लगी चोटें साधारण प्रकृति की थीं और स्टील के कड़े से लगी थीं। भारद्वाज ने बाद में एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि उसने आत्मरक्षा में हमला किया था। इस बीच, पुलिस ने शुक्रवार को एक अलग मामले में नाबालिग कार्यकर्ता की शिकायत पर पॉक्सो अधिनियम के तहत नयी प्राथमिकी दर्ज की। शिकायत में पीडिता को ऑनलाइन धमकियां देने और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। खबरों के मुताबिक, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(3), धारा 78 (पीछा करना) और धारा 79 (महिला की गरिमा का अपमान) के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 भी लगाई है।

वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए सरकार गंभीर: सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए पूरी गंभीरता और निरंतरता के साथ कार्य कर रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने रविवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार हर स्तर पर प्रवर्तन को मजबूत कर रही है और व्यापक उपाय लागू कर रही है। लेकिन स्वच्छ हवा की लड़ाई केवल सरकार के प्रयासों से नहीं जीती जा सकती। प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक संस्था और प्रत्येक हितधारक की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के मार्गदर्शन में और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा संचालित यह अभियान सितंबर 2026 से मार्च 2027 तक 'साथ निभाएं, प्रदूषण टाटें' थीम के तहत चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से दिल्ली के विभिन्न सरकारों विभागों, संस्थानों, उद्योगों, समुदायों और नागरिकों को एकजुट करते हुए स्वच्छ और स्वस्थ वायु के लिए एक निरंतर एवं समूहिक जन-आंदोलन तैयार किया जाएगा। मंत्री सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर और व्यापक प्रयास कर रही है। इन प्रयासों में प्रवर्तन, तकनीकी हस्तक्षेप, हितधारकों की भागीदारी और जनसहभागिता को समाहित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पीतमपुरा में विकास कार्यों को नई गति देते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी, स्वच्छता व्यवस्था तथा हरे क्षेत्रों के विकास को और मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज से रिंग रोड तक नई सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्र के नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर निगम पार्षद डॉ अमित नागपाल ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि यह सड़क क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बेहतर करने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के आवागमन को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाएगी।

दिल्ली में मजबूत होगा स्टार्टअप कोसिस्टम: रेखा

हरिभूमि न्यूज ॥नई दिल्ली

युवाओं के आइडिया को अवसर मिलेगा और इनोवेशन को मंच मिलेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को स्टार्टअप व इनक्यूबेशन नीति, 2026 पर देश के प्रमुख उद्यमियों के साथ संवाद के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप दिल्ली में स्टार्टअप इकोसिस्टम मजबूत होगा। सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली को देश की स्टार्टअप एवं इनोवेटिव राजधानी बनाने के विजन को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली स्टार्ट-अप एवं इनक्यूबेशन नीति, 2026 पर आयोजित विशेष गोलमेज बैठक में सहभागिता की। नई दिल्ली स्थित कार्यक्रम में प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, दिल्ली सरकार द्वारा यूथ फॉर गवर्नंस के सहयोग से आयोजित इस बैठक में दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, देश के प्रमुख उद्योगपतियों, स्टार्टअप संस्थापकों, निवेशकों और उद्यमिता क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया और चर्चा की। बताया गया कि 10 हजार से अधिक स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिलेगा और 4 लाख से अधिक रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है। बैठक का उद्देश्य दिल्ली स्टार्ट-अप एवं इनक्यूबेशन नीति, 2026 को और प्रभावी बनाने के लिए उद्योग जगत एवं स्टार्टअप समुदाय से प्रत्यक्ष सुझाव प्राप्त करना और



■ देश के प्रमुख उद्यमियों के साथ किया संवाद

दिल्ली में एक मजबूत तथा उद्यमशील इकोसिस्टम तैयार करना था। बैठक में 400 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावित प्रावधान वाली दिल्ली स्टार्ट-अप एवं इनक्यूबेशन नीति, 2026 की प्रमुख व्यवस्थाओं, इसके क्रियान्वयन ढांचे और स्टार्टअप क्षेत्र के हितधारकों से अपेक्षित सहयोग व सुझावों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने दिल्ली में स्टार्टअप एवं इनक्यूबेशन इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए अपने अनुभव, सुझाव और व्यावहारिक विचार साझा किए।

बैठक में उद्योग व स्टार्टअप जगत के प्रतिनिधियों ने दिल्ली की मौजूदा क्षमताओं को देखते हुए इसे देश की 'डीरेयूलेशन कैपिटल' (उद्योग, व्यापार या आर्थिक क्षेत्र से सरकारी नियमों, नियंत्रणों और कानूनी प्रतिबंधों को हटाना या कम करना) बनाने की दिशा में काम करने का सुझाव दिया। प्रतिभागियों ने स्टार्टअप के लिए भूमि एवं कार्यस्थल की उपलब्धता बढ़ाने, एफएआर और सर्किल रेट के युक्तिकरण जैसे उपायों पर चर्चा की।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले एनडीएमसी ने स्वच्छता व्यवस्था को किया सुदृढ़

हरिभूमि न्यूज ॥नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने भारत मंडपम में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के मद्देनजर अपने क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया है। इसके तहत रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था शुरू करने के साथ-साथ अतिरिक्त मशीनीकृत उपकरण तैनात किए गए हैं तथा विभिन्न पालियों में स्वच्छता कर्मियों की संख्या बढ़ाई गई है। एनडीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार सुदृढ़ की गई स्वच्छता व्यवस्था 04 सितंबर से प्रभावी कर दी गई है। इसके अंतर्गत रात्रि के समय लगभग 300 स्वच्छता कर्मियों के साथ 10 मैकेनिकल रोड स्वीपर (एमआरएस) तैनात किए गए हैं। इस व्यवस्था का उद्देश्य झाड़ू लगाने और कचरा उठाने का अधिकांश कार्य रात के समय पूरा करना है, ताकि सुबह यातायात एवं लोगों की आवाजाही बहने से पहले प्रमुख सड़कों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई सुनिश्चित की जा सके।



■ रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था शुरू करने के साथ-साथ अतिरिक्त मशीनीकृत उपकरण किए तैनात

रात्रिकालीन पाली के दौरान स्वच्छता दल सड़कों की सफाई, जमा एवं बिखरे हुए कचरे को उठाने तथा कूड़ेदानों और ट्रॉलियों को खाली करने का कार्य करते हैं। इसके बाद तड़के सुबह जेट क्लीनिंग की जाती है। प्रातःकालीन पाली में शेष सफाई कार्य तथा आवश्यकता के अनुसार नई स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है। एनडीएमसी ने प्रमुख बाजारों और सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया है। इन बाजारों में दिन में तीन बार सुबह, शाम और रात सफाई की जा रही है। प्रमुख सड़कों तथा अन्य महत्वपूर्ण मार्गों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही

है। तैयारी योजना के तहत मशीनीकृत सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया है। रात्रि में तैनात किए गए 10 एमआरएस के अतिरिक्त, दिन के समय रणनीतिक स्थानों पर 15 गॉब्लर मशीनें तैनात की जा रही हैं, जिनका उपयोग बिखरे हुए कचरे एवं गंदगी को एकत्र करने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा, एनडीएमसी क्षेत्र में सड़कों, फुटपाथों, बाजार क्षेत्रों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों की गहन सफाई के लिए 11 प्रेशर-जेटिंग मशीनें तैनात की गई हैं। यह व्यवस्था विशेष रूप से ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मद्देनजर बढ़ाई गई स्वच्छता तैयारियों का हिस्सा है। मशीनीकृत सफाई कार्यों के साथ-साथ मैनुअल सफाई के लिए भी स्वच्छता कर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। विशेष रूप से बाजार क्षेत्रों, पैदल यात्रियों की अधिक आवाजाही वाले मार्गों तथा ऐसे स्थानों पर अधिक सफाईकर्मों लगाए गए हैं, जहां मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। एनडीएमसी ने प्रमुख बाजारों और अधिक आवाजाही वाले अन्य क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण भी तेज कर दिया है, ताकि सार्वजनिक स्थलों पर कचरा जमा न हो। एकत्रित कचरे को समय पर हटाने के लिए ट्रॉली लिफ्टिंग मार्गों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए
मेरे समक्ष परिवारद किया गया है कि अभियुक्त **बबलू**, पुत्र श्री राम निवासी फुटपाथ, काली माता मंदिर के पास, M2K मॉल के पास, रोहिणी, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 497/2022 धारा 379/411/34 भा.द.सं. थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **बबलू** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्र दप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बबलू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 497/2022 धारा 379/411/34 भा.द.सं. थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **बबलू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवारद का उत्तर देने के लिए **07.10.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार: सुश्री भारती बेनीवाल, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-05, न्यायालय संख्या 114, पहली मंज़िल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली।

DP/12657/ON/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए
मेरे समक्ष परिवारद किया गया है कि अभियुक्त **चुबुइके क्रिश्चियन अरिस्त्रियुनाम**, पुत्र अरिस्त्रियुनाम निवासी R2F 765/32, राजा नगर-2, दूसरी मंज़िल, यूनिट नंबर 301, राज नगर-2, गली नंबर 2, पालम कॉलोनी, NR पब्लिक स्कूल के पास, पालम गांव, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 8 3 1 / 2 0 2 0 धारा 333/332/353/186 भा.द.सं. थाना तिलक नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अभियुक्त** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 831/2020 धारा 333/ 332/353/186 भा.द.सं. थाना तिलक नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **चुबुइके क्रिश्चियन अरिस्त्रियुनाम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवारद का उत्तर देने के लिए **07.10.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार: श्री राजिंदर कुमार, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-03, पश्चिम, कमरा नंबर 35, ग्रांड फ्लोर, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली।

DP/12642/WD/2026



‘हॉस्टल डेज’ इमारत के मलबे में कई छात्रों के दबे होने की आशंका

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

पुलिस के अनुसार ढही हुई इमारत को 'हॉस्टल डेज' के नाम से जाना जाता था। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने अनुमान जताया कि 20 से अधिक छात्र मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं, हालांकि इस संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि हॉस्टल हमेशा भरा रहता था। इसलिए मलबे में अब भी कई लोग फंसे हो सकते हैं। गलियां काफी संकरी और भीड़भाड़ वाली हैं, इसलिए बचाव वाहनों के लिए घटनास्थल पर जल्दी पहुंचना मुश्किल हो रहा था। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने तत्काल बचाव कार्य में मदद शुरू कर दी और मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए हाथों तथा उपलब्ध औजारों से मलबा हटाया। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि अगर यह घटना किसी कार्यक्रम पर हुई होती तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी, क्योंकि आसपास के कई छात्र घर गए हुए हैं। रविवार को यहां बहुत कम लोग थे। इमारत में करीब 15 कमरे थे और प्रत्येक कमरे में दो से तीन छात्र रहते थे। इमारत में रहने वाले ज्यादातर छात्र केरलम, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से हैं और मुख्य रूप से मोतीलाल नेहरू कॉलेज, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज और श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में पढ़ते हैं।

इलाके में है पीजी की भरमार

साउथ कैम्पस के इस इलाके में कई मकानों को पीजी (पेइंग गेस्ट) में तब्दील कर दिया गया है और इमारतों के मालिक कहीं और चले गए हैं। वे बस संपत्तियों को पीजी का नाम दे देते हैं, किराया ऑनलाइन लेते हैं और इलाके में वापस आकर यह तक नहीं देखते कि स्थिति क्या है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि काफी पुरानी इमारत हैं और पिछले कुछ सालों में उन्होंने यहां कोई रखरखाव का काम होते नहीं देखा। मुश्किल से 30 प्रतिशत मकान मालिक ही यहां रहते हैं।

भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा

विशेषज्ञों का कहना है कि राजधानी में इमारतों का गिरना महज हादसा नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। अवैध निर्माण, तय मानकों की अनदेखी और एमसीडी की दिलाई की मौत हर बार मामूली नागरिकों को अपनी जान देकर चुकाती पड़ती है। पुरानी और जर्जर इमारतों का सर्वे केवल कागजों तक सीमित रहता है। जब तक अवैध बेसमेंट और अतिक्रमण कर निर्माण पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, इस तरह की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगेगा।

इमारत गिरने की घटना बेहद दुखद, दोषियों पर हो कार्रवाई : यादव

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने सत्य निकेतन, आर.के. पुरम क्षेत्र में इमारत गिरने की दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मांग की है कि हादसे की न्यायिक जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले के परिजनों के प्रति शहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। घटना स्थल पर पहुंचकर यादव ने कहा कि जब यह बिल्डिंग नगर निगम द्वारा जर्जर घोषित कर दी गई थी तो किसकी मिलीभगत से यहां हॉस्टल चला कर छात्रों की जान जोखिम में डाल यहां रहने दिया गया। यादव ने कहा कि



दिल्ली में सारे सरकार के इंजन भाजपा के है और लोकन प्रशासन हादसे के एक घंटे तक मदद के लिए नहीं पहुंचा।

एबीवीपी ने एमसीडी मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

गेट तोड़कर सिविक सेंटर परिसर में धरने पर बैठे कार्यकर्ता

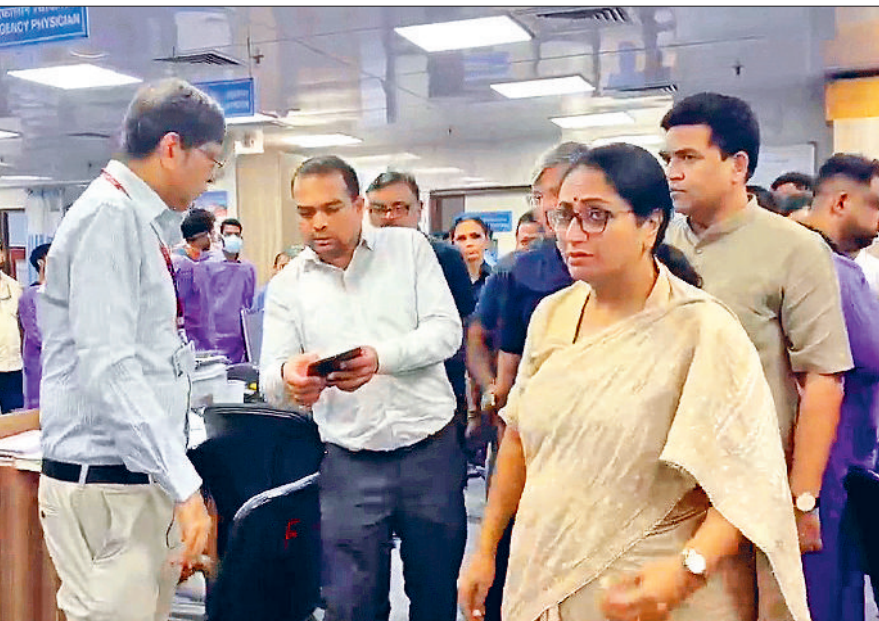


नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली ने सत्य निकेतन में पीजी भवन गिरने की दुखद घटना के विरोध में विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर रविवार को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर पर जोरदार प्रदर्शन किया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने एमसीडी की लापरवाही और छात्र-बहुल क्षेत्रों में संचालित पीजी भवनों की सुरक्षा व्यवस्था में हीलाहवाली को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। एबीवीपी ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता एमसीडी भवन के अंदर प्रवेश कर धरने पर बैठ गए और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। एबीवीपी ने कहा कि दिल्ली के सभी छात्र-बहुल क्षेत्रों में संचालित पीजी एवं किराये के भवनों का तत्काल सुरक्षा एवं संरचनात्मक ऑडिट कराया जाए और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले भवनों पर कठोर कार्रवाई की जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जब तक प्रशासन इस मामले में ठोस कार्रवाई और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं करता, एबीवीपी विद्यार्थियों की सुरक्षा के मुद्दे को मजबूती से उठाती रहेगी।



राजधानी में इमारतें गिरने की कुछ प्रमुख घटनाएं

30 मई 2026 (साकेत) : साकेत मेट्रो स्टेशन के पास 5 मंजिला अवैध इमारत पास की कैटीन और लाइब्रेरी पर जा गिरी। इस हादसे में 6 मंडिकल छात्रों की मौत हुई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे।
जुलाई 2025 : वेलकम इलाके में चार मंजिला जर्जर इमारत गिरने से छह लोगों की मौत हुई।
18 अप्रैल 2025 : मुस्तफाबाद में लगभग 20 साल पुरानी चार मंजिला इमारत रात को ढह गई। हादसे में 11 लोगों की जान गई।
25 अप्रैल 2022 : सत्य निकेतन में एक पुरानी तीन मंजिला इमारत में अवैध मरम्मत कार्य के दौरान हादसा हुआ, जिसमें दो मजदूरों की मौत हुई।
15 नवंबर 2010 : लक्ष्मी नगर के ललितार्क में सबसे खौफनाक हादसा हुआ, जहां एक अवैध पांच मंजिला इमारत ताश के पत्तों की तरह ढह गई। हादसे में 67 लोगों की मौत हुई थी और 70 से अधिक घायल हुए थे। बेसमेंट में पानी भरने और घटिया सामग्री को हादसे की वजह बताया गया था।



मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एम्स पहुंचीं, पीड़ितों का जाना हाल ।

शांति निकेतन हादसा, भ्रष्टाचार का नमूना : भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली के मोती बाग स्थित सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना को आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने निगम में फैले भ्रष्टाचार का नमूना बताया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद और चिंताजनक है। मलबे में छात्रों समेत कई लोगों के दबे होने की आशंका बेहद विचलित करने वाली है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि राहत एवं बचाव कार्य पूरी तत्परता से चलाया जाए और मलबे में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जाए।

सरकार इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच कराए और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके। वहीं निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा सरकार और भाजपा शासित निगम ने दिल्ली को मौत का अखाड़ा बना दिया है। हर रोज कोई न कोई हादसा हो रहा है, लेकिन भाजपा शासन की नींद नहीं खुल रही है। उन्होंने कहा कि निगम ने खतरनाक इमारतों की सूची जारी कर सिर्फ खानापूती की। अगर समय रहते इन इमारतों पर कार्रवाई की जाती, तो आज लोगों की जान खतरे में नहीं होती। आखिर इन हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा।

एलजी, सीएम सहित संबंधित अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे

हरिभूमि न्यूज़ ►► नई दिल्ली

दिल्ली के आर के पुरम स्थित सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना की जानकारी पाकर मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संचु, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद सहित संबंधित अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे और सभी एजेंसियों को समन्वय से राहत-बचाव के निर्देश दिए। इस दौरान उपराज्यपाल ने कहा कि इमारत गिरने की घटना की जानकारी पाकर बेहद चिंतित हूं। मैंने दिल्ली पुलिस, दिल्ली फायर सर्विस और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) समेत सभी संबंधित एजेंसियों को मौके पर तेजी से राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए आपसी पूर्ण समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस हादसे से प्रभावित सभी लोगों की सुरक्षा और कुशलता के लिए मेरी प्रार्थना है।

स्थिति पर लगातार करीबी नजर रखी जा रही है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जरूरतमंद लोगों तक हर संभव सहायता पहुंचाई जाए। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत-बचाव

- अधिकारियों को हर संभव सहायता पहुंचाने का दिया आदेश

अभियान का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वह मौके पर मौजूद अधिकारियों के साथ बचाव अभियान की लगातार निगरानी कर रही हैं। सभी संबंधित एजेंसियां घटनास्थल पर मौजूद हैं और आपसी समन्वय के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सभी प्रयासों का मुख्य उद्देश्य मलबे में फंसे लोगों, विशेषकर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालना है। राहत एवं बचाव अभियान 'युद्धस्तर पर जारी' है। मौके पर एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), एमसीडी, कैटस्ट और सिविल डिफेंस की टीमें मौजूद हैं। एहतियाती कदम के तौर पर हादसे से सटी एक इमारत को खाली करा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पीजी में वसूला जा रहा था 15-20 हजार किराया

नई दिल्ली। सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी की इमारत भरभराकर गिरने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस में पढ़ने वाले छात्रों के चेहरे पर गुस्सा और डर दोनों दिखाई दे रहे हैं। हादसे के बाद सामने आए छात्रों के बयानों ने राजधानी में तेजी से बढ़ रहे पीजी कारोबार और उसमें रहने वाले छात्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्रों का आरोप है कि मोटा किराया वसूलने के बावजूद कई पीजी में फायर सेफ्टी और भवन की संरचनात्मक सुरक्षा तक के पर्याप्त इंतजाम नहीं होते। सभी एजेंसियों पर मिलीभगत के आरोप लगाते हुए छात्रों ने कहा कि कैम्पस में किराए और सुविधाओं को देखने वाला कोई नहीं है। छात्रों के मुताबिक साउथ कैम्पस के आसपास पीजी का किराया काफी अधिक है। एक बिस्तर के लिए करीब 15 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह तक वसूल जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद छात्रों को जिस सुरक्षा की उम्मीद होती है, वह कई जगह दिखाई नहीं देती। हादसे के बाद छात्रों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर पांच मंजिला इमारतें खड़ी हो रही हैं तो उनकी निगरानी कौन करता है और भवन की अनुमति व सुरक्षा मानकों की जांच कौन करता है? हादसे के बाद छात्रों का सैधा सवाल है-जब उनसे हर महीने 15-20 हजार रुपये तक किराया लिया जा रहा है, तो उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? अब जब सिर्फ इस इमारत के गिरने तक सीमित रहने के बजाय साउथ कैम्पस और आसपास चल रहे पीजी की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक जांच तक पहुंचती है या नहीं, इस पर सबकी नजर है।

पुरानी इमारत पर पेंट, फिर छात्रों को दे दिया पीजी

साउथ कैम्पस में पढ़ने वाले छात्रों ने दावा किया कि इलाके में कई पुरानी इमारतों को महज रंग-रोगन करके पीजी के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। एक छात्र ने बताया कि हादसे वाली इमारत को करीब 30-40 साल पुरानी बताया जा रहा है। छात्र का यह भी दावा है कि इमारत में पर्याप्त पिलर नहीं होने की बात सामने आई है। हालांकि, भवन की वास्तविक संरचना और हादसे के कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। छात्रों का आरोप है कि पुरानी इमारतों की वास्तविक स्थिति को छिपाकर उन्हें नया रूप देने की कोशिश की जाती है। इसके बाद देश के अलग-अलग हिस्सों से डीयू में पढ़ने का सपना लेकर आने वाले छात्रों को इन पीजी में रहने के लिए मोटा किराया देना पड़ता है।

फायर सेफ्टी का भी पता नहीं

छात्रों ने पीजी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि कई जगह पीजी संचालक छात्रों से हजारों रुपये किराया तो लेते हैं, लेकिन फायर सेफ्टी, आगप्रतापी निगरानी और भवन की मजबूती जैसे बुनियादी सुरक्षा मानकों की स्थिति स्पष्ट नहीं होती। एक छात्र ने सवाल उठाते हुए कहा कि छात्र अपने सपने लेकर डीयू में पढ़ने आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? अगर किसी इमारत में बड़ी संख्या में छात्रों को रखा जा रहा है तो वहां रहने से पहले भवन की मजबूती और सुरक्षा मानकों की जांच होना जरूरी है।

मोटा किराया, लेकिन सुरक्षा की गारंटी कौन देगा ?

साउथ कैम्पस में पीजी का कारोबार लंबे समय से छात्रों की जरूरत से जुड़ा हुआ है। देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए कॉलेज के आसपास रहने की मजबूरी भी होती है। इसी का फायदा उठाकर महंगे किराये पर पीजी उपलब्ध कराने के आरोप भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं। सत्य निकेतन हादसे ने अब इस पूरे सिस्टम की निगरानी पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। क्या पीजी में छात्रों की संख्या के हिसाब से भवन की क्षमता की जांच होती है? क्या फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र और आपातकालीन निगरानी व्यवस्था की नियमित जांच होती है? क्या पुराने भवनों में भारी निर्माण या बेसमेंट में बदलाव की अनुमति है?

एबीवीपी ने विद्यार्थियों की मदद के लिए जारी किया हेल्प लाइन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि सत्य निकेतन की घटना अत्यंत दुःखद और चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि एबीवीपी ने विद्यार्थियों की हृदयसम्व मद्दद के लिए हेल्प लाइन 9873466677 (राजा तंवर), 9492386152 (शेषु) जारी किया है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता बचाव कार्य में लगे हुए हैं। विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित आवास सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। हम दिल्ली सरकार से इस घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच हो तथा दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए। विद्यार्थियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

हादसों के बाद भी निगम की आंखें बंद, सत्य निकेतन क्षेत्र में पहले भी हो चुकी है घटना

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बार बार इमारत गिरने और उसमें दर्जनों जान जाने के बावजूद दिल्ली नगर निगम की आंखें बंद ही हैं। निगम अधिकारियों, नेता व बिस्तरों की सांठगांठ जमगाहिर हैं जिसके चलते अकसर ऐसे जानलेवा हादसे सामने आते रहे हैं। हर हादसे के समय बड़ी बड़ी जांच की घोषणाएं, दोषियों को कड़ी सजा के दावे और भविष्य में हादसों को रोकने के लिए सख्तबाज दिखाते दावे धीरे धीरे समय की गर्त में समा जाते हैं। निगम की कार्यशैली की पोल एक बार फिर रविवार को उस समय खुली जब दक्षिणी दिल्ली के शांति निकेतन क्षेत्र में एक बहुमंजिला इमारत भरभराकर जमींदोज हो गई। इस मौत की इमारत ने भी कई बेशर्कीमती जानें लौल लीं। दक्षिणी दिल्ली में तीन माह में यह दूसरी बार इमारत गिरने में लापरवाही से लोगों की बेशर्कीमती जानें गई हैं। इससे पहले 30 मई 2026 को सैदुलाजाब (साकेत) में पांच मंजिला इमारत गिरने से मेडिकल के छह छात्रों की मौत हो चुकी है। जबकि इससे भी पहले सत्य निकेतन में ही 25 अप्रैल 2022 के दौरान इमारत ढहने का हादसा हो चुका है। जिसमें अप्रैल 2022 को यहां एक पुरानी तीन मंजिला इमारत में अवैध तरीके से मरम्मत कार्य के दौरान हादसा हुआ और उसमें दो मजदूरों की मौत हो गई थी। तब इस मामले की जांच भी हुई लेकिन किसी तरह की कोई कार्रवाई की गई हो ऐसा सामने नहीं आया। शांति निकेतन इमारत हादसे के बाद निगम पर सवालिया निशान लाने रहे हैं। बेशक महापौर प्रवेश वाही इमारत को वैध बता रहे हो, लेकिन सवाल फिर भी उठ रहे हैं। सवाल है कि क्या बेसमेंट नियम कायदों के अनुरूप सही बनी हुई थी। क्या बेसमेंट में खुदाई या नव निर्माण को लेकर नगर निगम से कोई परमिशन ली गई थी। क्या स्थानीय साउथ जोन के डीसी से लेकर एडव एवं एक्शन को बेसमेंट में कार्य करने की जानकारी थी। अगर जानकारी थी तो सब कुछ क्यों है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि यह बेसमेंट निगम के नियमों पर खरी नहीं उतर रही थी बावजूद इसमें कार्य किया जा रहा था। सवाल यह भी है कि दिल्ली के मुख्यालय नगर के एक गलत पीजी हॉस्टल में 27 सितंबर 2023 की शाम को भीषण आग लगी थी जिसमें छात्रों की मौत हुई थी। उसके बाद निगम ने दिल्ली की कार्यशैली में चल रहे पीजी हॉस्टलों को लेकर सख्त रुख अपनाने का दावा किया था। ऐसे में क्या शांति निकेतन का यह पीजी हॉस्टल उस जांच में शामिल था। क्या इस हास्टल में फायर विभाग से लेकर अन्य विभागों से एनओसी ली गई थी। इसी प्रकार कई और सवाल हैं जो निगम की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े कर रहे हैं। अगर दिल्ली की बात करें तो विगत वर्षों में इमारत गिरने की कई बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। इनमें मुख्य रूप से जुलाई 2025 में यमुनापार वेलकम क्षेत्र में जर्जर चार मंजिला इमारत के अचानक गिरने से छह लोगों की मौत हुई थी। जबकि अप्रैल 2025 में ही यमुनापार के मुस्तफाबाद क्षेत्र में करीब 20 साल पुरानी चार मंजिला इमारत ढहने से 11 लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा यमुनापार में ही ललितार्क लक्ष्मी नगर में नवंबर 2010 में एक इमारत की बेसमेंट में पानी भरने और घटिया सामग्री को लगभग पांच मंजिला अवैध इमारत ढह गई थी, जिसमें सबसे ज्यादा 67 लोगों की जान चली गई थी। जर्जर भवनों की जांच को लेकर भी दिल्ली नगर निगम की कार्यशैली पर पर सवाल उठते रहे हैं। निगम की कार्यशैली का ताजा नमूना है कि इसी मानसून से पहले जनवरी से जून 2026 के बीच खतरनाक भवनों का सर्वे पूरा किया गया। जिसमें सभी 12 जोनों में 27 लाख से अधिक इमारतों का निरीक्षण करने का दावा किया गया। लेकिन हैरानी की बात है कि इस सर्वे में महज 19 इमारतों को ही निगम ने खतरनाक मानते हुए घोषित किया था। जबकि मरम्मत योग्य इमारतें 74 पाई गई जिन्हें सही करने के लिए नोटिस आदि दिए गए। निगम की कार्यशैली को लेकर अकसर विपक्ष सत्ता पक्ष की सांठगांठ के आरोप लगाते रहे हैं।

खबर संक्षेप

वल्लूरी कामेश्वर राव पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

पटना। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर पटना समेत आठ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई। कानून मंत्री अजुन राम मेघवाल ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के मौजूदा जज जस्टिस वल्लूरी कामेश्वर राव को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी को बॉम्बे हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

डुमरी में घुसा खतरनाक 25 हाथियों का झुंड

रांची। डुमरी प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथियों का झुंड एक बार फिर प्रवेश कर गया है। वन विभाग के अनुसार झुंड में करीब 25 हाथी हैं। गुरुवार देर रात हाथियों का झुंड बगोदर प्रखंड के चौधरीबांध होते हुए डुमरी की बड़की बेरगी पंचायत में पहुंचा। फिलहाल झुंड छोटकी बेरगी और उसके आसपास के जंगल में डेरा डाले हुए है। वन विभाग ने सतत पंचायत के लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है।

जेन जी आंदोलन को दलों ने किया हाईजैक

लखनऊ। बीएसपी सुप्रमो मायावती ने जेन-जी और जेन-अल्फा की दिक्कतों को लेकर चल रहे आंदोलनों पर चिंता जताई है। कहा-लोगों को लग रहा है कि युवाओं और बेरोजगारों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर शुरू हुआ आंदोलन राजनीतिक दलों द्वारा हाईजैक कर लिया है। इससे युवाओं को जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान दिखाए गए बड़े सपनों को लेकर गंभीर शंकाएं पैदा हो रही हैं।

बेटे की मौत से डिप्रेशन में आई मां ने फंदा लगा दी जान

एजेसी ►► कानपुर डेढ़ साल पहले बेटे की मौत और चार माह पूर्व प्राइवेट नौकरी छूटने से डिप्रेशन में चल रहीं शुक्लागंज के प्रेमनगर निवासी माधुरी देवी (42) ने शनिवार देर शाम वहीं पर अपने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। फूलबाग निवासी रोहित ने बताया कि उनकी चाची माधुरी देवी पत्नी सुरेश कश्यप



शुक्लगंज में रहती थीं। करीब डेढ़ साल पहले उनके बेटे अमन ने जौनपुर में आत्महत्या कर ली थी। माधुरी तनाव में रहने लगीं। वह शिवाला में एक दुकान में नौकरी करती थीं। किन्हीं कारणों से उनकी नौकरी छूट गई। सुरेश भी निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। शनिवार देर शाम जब ड्यूटी से लौट तो माधुरी को फंदे से लटक पाया। फौलखाना थाना प्रभारी

रीना सिंह ने बताया कि घटनास्थल शुक्लागंज का है। परिजन माधुरी को इलाज के लिए केपीएम लाए थे। उनकी मौत होने पर शव का पोस्टमार्टम कराकर नहीं सौंप दिया गया। इसी प्रकार रावतपुर गांव निवासी अखिलेश सिंह (45) ने डिप्रेशन में जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिगम आयुक्त और...

किया गया। इनमें सड़क की सफाई से लेकर निर्माण मलबे के वैज्ञानिक निपटान और सार्वजनिक परिवहन में ई-वाहनों को बढ़ावा देने जैसे प्रयास शामिल हैं।

ब्रिक्स सम्मेलन से ...

निगरानी रखी जा रही है, जहां से सम्मेलन में शामिल होने वाले विदेशी मेहमानों की आवाजाही संभावित है। दिल्ली पुलिस ने यमुना नदी के आसपास भी सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की है। पुलिस के मुताबिक, नदी क्षेत्र पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुराना किला क्षेत्र से भी यमुना और आसपास के इलाकों पर निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों का फोकस केवल कार्यक्रम स्थल और वीवीआईपी रूट तक सीमित नहीं है, बल्कि राजधानी के महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों, प्रमुख सड़कों और संवेदशील क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ाई गई है। सम्मेलन के दौरान विदेशी राष्ट्रध्वजों और अन्य विशिष्ट अतिथियों की आवाजाही को देखते हुए दिल्ली पुलिस विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है।

पंजाब के बिजली ...

और तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (मनसा) शामिल हैं, निर्दिष्ट अंतिम उपयोग संयंत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद वार्षिक उत्पादन के 50 प्रतिशत तक करने की अनुमति पहले से ही दी गई है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा पंजाब को समर्थन और पीएसपीसीएल के संयंत्रों के पीएलएफ (42 प्रतिशत) में कमी पीएसपीसीएल तीन ताप विद्युत संयंत्रों का संचालन करती है - पुरु हरगोबिंद ताप विद्युत संयंत्र (लेहरा मोहब्बत), गोइंदवाल साहिब ताप विद्युत संयंत्र और रोपड़ ताप विद्युत संयंत्र - जिनकी संयुक्त क्षमता 2,300 मेगावाट है। 04.09.2026 तक, पीएसपीसीएल के संयंत्रों में कोयले का भंडार मानक आवश्यकता का लगभग 117 प्रतिशत था, जो पर्याप्त से अधिक कोयले की उपलब्धता को दर्शाता है। इस पर्याप्त भंडार के बावजूद, अगस्त 2026 के दौरान पीएसपीसीएल के संयंत्रों का औसत प्लॉट लोड फैक्टर

गंगा नदी का जलस्तर अब उच्चतम स्तर पर

बिहार में लोग बाढ़ से त्रस्त हैं। इस बीच पूर्णिया जिले में बकरा नदी पर बना पुल अचानक टूट गया है। पुल टूटने के दौरान एक ट्रक पुल से सीधे नदी में जा गिरा। ट्रक के ड्राइवर ने किसी तरह अपनी जान बचाई है...

एजेसी ►► पटना

बिहार में बाढ़ से हाहाकार है। इस बीच पूर्णिया जिले में बड़ी घटना हुई है। पूर्णिया जिले में बकरा नदी पर बना पुल रविवार को अचानक टूट कर बिखर गया। पुल के ध्वस्त होने से इलाके में लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, पूर्णिया जिले में मौर प्रखण्ड के तियरपाड़ा पंचायत में असियानी गांव में बकरा नदी पर बना सोनापुर पुल का हिस्सा नदी में टूट कर गिर गया।

करीब 11 बजे के आसपास जब इस पुल से एक ट्रक गुजर रहा था तभी इस पुल का हिस्सा टूटते हुए ट्रक नदी में जा गिरा गनीमत रही है कि ट्रक ड्राइवर ने तैरकर अपनी जान बचायी। फिलहाल ट्रक नदी में पूरा

पूर्णिया में बकरा नदी पर बना पुल टूटा पानी में धड़ाम से गिरा ट्रक, मचा हड़कंप



कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अचानक पुल टूटने की वजह से ट्रक सीधे परमान नदी में समा

प्रमुख संपर्क मार्ग पर परिचालन पूरी तरह ठप

गया। समय रहते चालक ने ट्रक के अंदर से छलांग लगा दी थी। घटना के बाद जलालगढ़-अमौर संपर्क मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा जा रहा है कि बालू से खचाखच लदा भारी ट्रक जैसे ही असियानी घाट पुल के बीचों-बीच पहुंचा, पुराना लोहे का ढांचा अत्यधिक वजन नहीं झेल सका और तेज आवाज के साथ टूटकर नदी में गिर पड़ा। हादसे के बाद जलालगढ़ से असियानी होते हुए अमौर जाने वाले प्रमुख संपर्क मार्ग पर परिचालन पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे दोनों तरफ दर्जनों गांव कट गए हैं।

चित्रकूट में बाढ़ राहत और बचाव कार्यों की मुख्यमंत्री योगी ने की समीक्षा, बोले-

'आपदा पीड़ित अकेले नहीं, सरकार आपके साथ', सीएम का पीएम आवास का एलान

हरिभूमि न्यूज़ ►► चित्रकूट

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को चित्रकूट दौरे के दौरान बाढ़ से प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। मंदाकिनी नदी के उफान से हुई तबाही का हवाई सर्वे करने के बाद मुख्यमंत्री सीधे रामघाट पहुंचे। वहां उन्होंने बाढ़ से हुए नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया और प्रभावित व्यापारियों व स्थानीय निवासियों से बातचीत कर उनका हाल जाना।

रामघाट के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त हुई संत तुलसीदास की प्रतिमा के पास रुके। प्रतिमा की स्थिति को देखकर उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की और मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों से इसके जीर्णोद्धार व सुरक्षा के संबंध में तत्काल जानकारी ली। इस दौरान रामघाट पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जल पुलिस, मोटरबोट्स और गोताखोरों की विशेष तैनाती रही। उन्होंने चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित लोगों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत शिविरों की व्यवस्था, प्रभावित परिवारों को पहुंचाई जा रही सहायता और बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी ली।

चित्रकूट पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंदाकिनी की बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का हवाई व स्थलीय निरीक्षण किया और क्षतिग्रस्त तुलसीदास प्रतिमा का जायजा लिया। पीड़ितों को राहत सामग्री बांटते हुए उन्होंने बेघर हुए लोगों को पीएम आवास देने की घोषणा की...



36 गांव प्रभावित, राहत सामग्री का वितरण

तय कार्यक्रम के अनुसार सीएम योगी रामायण प्रेक्षागृह में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री की किट वितरित करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। गौरतलब है कि मंदाकिनी के उफान से चित्रकूट जनपद के 36 गांव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, सैकड़ों कच्चे व पक्के मकान ढह गए हैं और किसानों की खरीफ की फसलें पूरी तरह से जलमग्न हो गई हैं।

आपदा की घड़ी में लोगों को परेशानी न हो

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने उच्च अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी संवेदनशीलता, तत्परता और जिम्मेदारी के साथ राहत एवं बचाव कार्यों को संचालित करे। बाढ़ प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा, दवाइयों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित इलाकों पर लगातार नजर रखी जाए और जरूरत पड़ने पर तत्काल अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री का वितरण पारदर्शी और प्रभावी ढंग से किया जाए, ताकि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक समय से मदद पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, स्थानीय प्रशासन और अन्य संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

तीन हजार से अधिक विद्यार्थी सीखेंगे व्यावसायिक कौशल

31 प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाओं को सौंपा गया लक्ष्य



हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की दिशा में नई पहल करने जा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने इसके लिए 31 प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाओं को लक्ष्य सौंप दिया है। सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर 30 सितंबर तक ट्रेनिंग शुरू करना अनिवार्य किया गया है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल

सीएम योगी ने मुआवजे का किया ऐलान श्मशान घाट पर गुंबद ढहने से मौत वकील की पत्नी ने दर्ज कराई केस

एजेसी ►► गोरखपुर

यहां राप्ती नदी के किनारे राजघाट (श्मशान घाट) पर स्थित गुरु गोरक्षनाथ घाट पर रविवार को गुंबदनुमा छत का स्लैब गिरने से मलबे की चपेट में आकर दो अधिकस्ता घायल हो गए। इनमें से एक की अस्पताल में मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। दोनों अधिकवक्ता अंतिम संस्कार में शामिल होने घाट पर गए थे। हादसे की वजह आकाशीय बिजली बताई जा रही है। इस मामले में एंबुलेंस पहुंचने और इलाज में देरी का आरोप लगाते हुए अधिकवक्ता की पत्नी की तरफ से दी गई तहरीर पर स्वास्थ्यकर्मियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीएमओ को भी इसमें आरोपी बनाया गया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए पीड़ित परिवार के लिए चार लाख रुपये मदद की घोषणा की है।

जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में आलोक की मौत

जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज ले जाते समय राप्तीनगर निवासी अधिकवक्ता आलोक अस्थाना की मौत हो गई। वहीं शक्तिनगर कॉलोनी निवासी अधिकवक्ता संजय सिंह को गंभीर चोट आने पर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। दोनों अधिकवक्ता अपने साथी अधिकवक्ता विनोद तिवारी की मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने घाट पहुंचे थे। आलोक की मौत की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में अधिकवक्ता जिला अस्पताल पहुंच गए।

डीएम ने दिए जांच के निर्देश

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में आकाशीय बिजली गिरने के बाद गुंबदनुमा बैठने वाले स्थान का स्लैब गिरने की बात सामने आई है। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को घटनास्थल का निरीक्षण कर संरचना की तकनीकी जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

आप किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष समेत गोरखपुर, देवरिया व कन्नौज के सैकड़ों लोगों ने थामा कांग्रेस का हाथ



हरिभूमि न्यूज़ ►► लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने संगठन विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए गोरखपुर, देवरिया और कन्नौज के सैकड़ों लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए लोगों ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. अनिल जयहिंद की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस के जवाबदेह प्रभारी नितिन शर्मा ने सभी नए सदस्यों को विधिवत पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। इस दौरान आम आदमी पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विवेक पांडेय, प्रदेश महासचिव संजय मिश्रा और आईटी सेल के बलदेव सिंह सैथवार सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस का दामन थामा। इस अवसर पर राजेंद्र पाल गौतम ने दावा किया कि विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोगों का कांग्रेस में शामिल होना पार्टी के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए चल रहे संघर्ष को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि पार्टी में विभिन्न वर्गों के लोगों का बढ़ता जुड़ाव प्रदेश की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों का संकेत है।

डिटी सीएम केशव प्रसाद मौर्या बोले- विनोद तावड़े को यूपी का प्रभारी बनाए जाने पर सपा में बेचैनी

एजेसी ►► लखनऊ

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दल जंगलराज, गुंडाराज, भ्रष्टाचार एवं परिवारवाद की राजनीति के प्रतीक हैं।

उन्होंने दावा किया कि राज्यसभा सदस्य विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का भाजपा प्रभारी बनाए जाने से सपा में बेचैनी है। केशव मौर्य ने कहा, अखिलेश एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हैं, क्योंकि दोनों जंगलराज, गुंडाराज, भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति के प्रतीक हैं।



बैठकों का सिलसिला शुरू किया। केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सपा और राजद दोनों दलों की राजनीतिक कुंडली एक जैसी है। चाल, चरित्र और चेहरे के मामले में दोनों एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हैं, क्योंकि दोनों जंगलराज, गुंडाराज, भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति के प्रतीक हैं।

बिहार चुनाव में सपा का प्रत्याशी मैदान में नहीं था

केशव प्रसाद मौर्य ने पिछले साल हुए बिहार विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि चुनाव में सपा का एक भी प्रत्याशी मैदान में नहीं था, इसके बावजूद पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव वहां पहुंचे और जनता ने उनका आदरण देखा। मौर्य ने कहा, भाजपा को हराने का सपना देखने वाली राजद-कांग्रेस-सपा की तिकड़ी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विजयी जोड़ी ने जनता के आशीर्वाद से पूरी तरह पराजित कर दिया।

भाजपा की जीत में भूमिका निभाने वाले हैं तावड़े

डिटी सीएम केशव ने विनोद तावड़े की सराहना करते हुए कहा कि बिहार में भाजपा की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तावड़े को अब उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है और उनके प्रदेश आगमन से ही सपा में हलचल है।



कैटन इंडिया बनकर उड़ान भरेंगे कार्तिक

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट 'कैटन इंडिया' की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और अब उनका पहला लुक भी सामने आ गया है। कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर अपना पहला लुक शेयर करते हुए अपने नए प्रोजेक्ट 'कैटन इंडिया' की शूटिंग शुरू करने की घोषणा की है।

अलग-अलग तरह के रोल करने के लिए मशहूर इस एक्टर ने मिलिट्री यूनिफॉर्म में अपनी एक तस्वीर शेयर की और इस प्रोजेक्ट के लिए अपना उत्साह जाहिर किया है। पहले लुक के साथ-साथ कार्तिक आर्यन ने डायरेक्टर शिमित अमीन का एक दिल को छू लेने वाला मैसेज भी शेयर किया।

लाइफ Style

बिपाशा बसु एक समय पर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में गिनी जाती थी। हालांकि, शादी और बेटी देवी के जन्म के बाद उन्होंने कुछ समय के लिए लाइमलाइट से दूरी बना ली। फिलहाल बिपाशा अपने पति करण सिंह गोवर और बेटी देवी के साथ व्हालिटी टाइम बिताने पर फोकस कर रही हैं।

बिपाशा

जिस्म न करने की मिली थी चेतावनी

एजेंसी ► नई दिल्ली

बिपाशा ने 2001 में 'अजनबी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं साल 2003 में रिलीज हुई 'जिस्म' में उन्होंने एक इरोटिक रोल निभाकर सबको हैरान कर दिया। अब बिपाशा ने बताया कि कैसे जब उन्होंने इस फिल्म के लिए हामी भरी, उन्हें सबने चेतावनी दी थी कि इस तरह का किरदार उनका करियर खत्म कर सकता है। बिपाशा बसु ने एक बातचीत में बताया कि जब उन्होंने 'जिस्म' करने का फैसला किया, तो उन्हें पता था कि वह बहुत बड़ा रिस्क ले रही हैं। बिपाशा के अनुसार, उस समय इंडस्ट्री में कई लोगों ने उन्हें ये फिल्म नहीं करने की सलाह दी, क्योंकि उन्होंने चिंता थी कि बॉल्ड सीन करना उनके करियर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। लेकिन, बिपाशा उनकी बातों से सहमत नहीं थीं और उन्होंने ये फिल्म करने का फैसला किया। इस फिल्म में बिपाशा बसु के साथ जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। बिपाशा कहती हैं- 'इंडस्ट्री में हर किसी ने मुझसे कहा कि 'यह फिल्म (जिस्म) मत करो।' उनका कहना था कि अगर मैं ऐसी फिल्म करूंगी, जिसमें थोड़ा भी इरोटिका है, तो मेरा करियर खत्म हो जाएगा। मगर मेरे लिए ये बस एक एडल्ट लव स्टोरी थी और मुझे इसमें कोई परेशानी नहीं थी।



हॉलीवुड मसाला

फुसफुसाती नजर आई प्रियंका-जेनिफर

लॉस एंजिल्स। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जहां भी जाती हैं लोगों का ध्यान खींच लेती हैं। वह अक्सर इंटरनेशनल इवेंट्स में जाती हैं। यही नहीं वह हॉलीवुड के बड़े कलाकारों के साथ आसानी से घुल-मिल जाती हैं। हाल ही में उन्होंने जेनिफर लॉरेंस के साथ बातचीत की, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। दोनों कलाकार हाल ही में पेरिस में एक इवेंट में शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों कलाकार हंस-हंसाकर बातें कर रही हैं। प्रियंका जेनिफर के कान में कुछ फुसफुसाती हुईं दिखाईं।



हॉलीवुड सितारे भक्ति भाव से करते हैं भजन-कीर्तन

लॉस एंजिल्स। 'आयरन मैन' फेम लोकप्रिय हॉलीवुड अभिनेता रॉबर्ट डाउनी जूनियर भगवान श्रीकृष्ण के दीवाने हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद माना कि वे हरे कृष्ण विचारधारा और आंदोलन से काफी प्रभावित रहे। अपनी जिंदगी के कठिन दौर से उबरने में कृष्ण विचारधारा उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। भगवद गीता के दर्शन से वे काफी प्रभावित हैं। बिटिश अभिनेता और कॉमेडियन रसेल ब्रांड का भगवान कृष्ण और हरे कृष्ण आंदोलन (इस्कॉन) से गहरा जुड़ाव रहा है। ध्यान साधना में भी उनकी काफी दिलचस्पी रही है। रसेल ब्रांड ने खुद यह स्वीकार किया है कि जीवन के कठिन दौर और नशे की लत से उबरने में 'हरे कृष्ण महामंत्र' ने उनकी मदद की। हिंदू संस्कृति और रीति-रिवाजों में आस्था के चलते उन्होंने शादी के लिए भी भारत को चुना।



तीनों बच्चे गए विदेश, फराह हुई इमोशनल...

मुंबई। बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने हाल ही में अपने परिवार की जिंदगी के एक अहम पड़ाव के बारे में एक इमोशनल अपडेट शेयर किया। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए बताया कि उनके तीनों बच्चे - दिवा, अन्या और जार पढ़ाई के लिए विदेश चले गए हैं। फराह ने रविवार, 6 सितंबर को इंस्टाग्राम पर अपने बच्चों की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वे अलग-अलग शहरों में अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करते दिख रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने बताया कि उन तीनों को अलविदा कहना कितना मुश्किल था। 'तीस मार खान' की डायरेक्टर फराह ने अपने पति-फिल्ममेकर शिरीष कुंदर पर मजाकिया अंदाज में तंज कसते हुए अपना सिनेनेचर ह्यूमर भी दिखाया।



फिर दिमाग उलझाने आ रहे हैं अजय

मुंबई। एक बार फिर अजय देवगन क्राइम-सस्पेंस 'दृश्यम 3' के जरिए विजय सलगांवकर के तौर पर दर्शकों के बीच वापसी कर रहे हैं। मेकर्स ने अब इस क्राइम-सस्पेंस के ट्रेलर रिलीज की डेट भी अनाउंस कर दी है। इस घोषणा के साथ मेकर्स ने विजय सलगांवकर का फैमिली पोस्टर भी जारी किया है। अभिषेक पाठक द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 अक्टूबर, को गांधी जयंती के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अजय देवगन के साथ श्रिया शरण, तब्बू, जयदीप अहलावत, प्रकाश राज, रजत कपूर और इशिता दत्ता मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के मेकर्स ने 'दृश्यम 3' का नया पोस्टर जारी किया। जिसमें अजय देवगन का किरदार विजय सलगांवकर अपने परिवार के साथ एक गाड़ी में नजर आ रहा है और सभी काफी तनाव में दिखाई दे रहे हैं।

टीवी मसाला



बिग बॉस 20 में मनोज की बेटी की हुई एंट्री, सलमान ने दी खास सलाह

नई दिल्ली। सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 20' में सीजन 4 के कंटेस्टेंट रहे एक्टर-नेता मनोज तिवारी की बेटी, म्यूजिशियन ऋति तिवारी की एंट्री हुई है। सोशल मीडिया पर सलमान खान और मनोज तिवारी की बेटी का एक फोटो वायरल हो रहा है, जिसमें सुपरस्टार ऋति को एक सलाह देते नजर आ रहे हैं। प्रोमो की शुरुआत मनोज के स्टेशन पर माना गाने हुए, आने से होती है और सलमान उनसे मजाक करते हैं कि क्या वह फिर से शो में आना चाहते थे, जबकि डॉली चाहती थी कि वह पहले बवा हुआ खाना खत्म करें और इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। तब मनोज ने कहा, 'किचन किशो के बाप का नहीं है' और डॉली ने जवाब दिया, 'बाप पर मत बोलना।' ये पल आज भी सभी को याद है।

अक्षय ने बिग बी के साथ किया प्रैंक



उड़ जाते हैं। दरअसल, सैफ अली खान और अक्षय कुमार अपनी फिल्म हैवान के लिए 'कौन बनेगा करोड़पति' के मंच पर पहुंचे थे। शो के दौरान अनिताम बच्चन ने अक्षय कुमार की एक खास आदत का जिक्र करते हुए उनसे पूछा कि वह महान कॉमेडियन चार्ली चैपलिन के बहुत बड़े फैन हैं और अपने पर्स में उनकी तस्वीर रखते हैं। इस पर अक्षय ने कहा कि जी मैं बहुत बड़ा फैन हूँ। तो बिग बी ने कहा कि पर्स है आपके पास?

फिल्मों का विलेन असल जिंदगी में रहा था स्वतंत्रता सेनानी

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कई कैरेक्टर आर्टिस्ट रहे जिन्होंने भले ही एक तरह के किरदार निभाए, लेकिन हर एक किरदार में एक ऐसा मैजिकल टच छोड़ा कि वो यादगार बन गया। ऐसे ही एक एक्टर थे सीएस दुबे। सीएस दुबे यानी कि चंद्रशेखर दुबे। दुबे जी हिंदी सिनेमा के मशहूर कैरेक्टर आर्टिस्ट थे। उनका जन्म 4 सितंबर 1924 को मध्य प्रदेश के कन्नौड़ में हुआ था। उन्होंने 1950 के दशक से लगभग 150-200 फिल्मों में काम किया। वे खासतौर से नेगेटिव किरदार जैसे साहूकार, मुनीम और कपटी लाला के किरदारों के लिए मशहूर थे। फिल्म 'जिंदा दिला' (1975) में उनका डायलॉग 'दक्कन खोल के' बहुत वायरल हुआ। वह केवल फिल्मों में ही एक्टिव नहीं थे। अपनी प्रोफेशनल लाइफ में उन्होंने कई रेडियो प्रोग्राम भी किए। इतना ही नहीं, वह एक स्वतंत्रता सेनानी भी रहे और देश की खातिर जेल गए थे।

भारत छोड़ा आंदोलन का हिस्सा थे

चंद्रशेखर दुबे महान् गांधी द्वारा शुरू किए गए भारत छोड़ा आंदोलन का हिस्सा थे। इस दौरान उन्होंने देश के लिए लाठियां खाईं और जेल भी गए थे। इसके अलावा वे एक सोशल वर्कर भी थे जो गरीब छात्रों को उनकी शिक्षा का खर्च उठाने में मदद करते थे। इसके बाद जब नौकरी करने की बारी आई तो उन्होंने बांबे का रुख किया। वहां उन्होंने काम की शुरुआत प्रोड्यूसर और डायरेक्टर अमीय चक्रवर्ती के साथ बतौर ऑफिस बॉय की। इसके साथ साथ वे प्रोडक्शन मैनेजर और असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम संभाला। इसके बाद वे बतौर एक्टर अमीय की फिल्म पतित और सीमा (1955) में नजर आए। इसके बाद बतौर एक्टर उनकी गाड़ी चल निकली और वे करीब 200 से ज्यादा फिल्मों में नजर आए।



दिल्ली-6 के म्यूजिक को भी मिली थी काफी सराहना

डिक्शनरी में ढूंढने से भी नहीं मिलेगा 17 साल पुराने गाने का मतलब

नई दिल्ली। बॉलीवुड में पर्दे के पीछे कई दिलचस्प कहानियां छुपी हुई हैं। अब आपने दिल्ली-6 का मसकली गाना तो सुना ही होगा जो फिल्म की पहचान बन गया और साथ ही कल्ट भी। लेकिन क्या आप जानते हैं यह गाना दिल्ली-6 के लिए बना ही नहीं था। एक चौकाने वाले खुलासे में फराह खान ने बताया कि ए.आर. रहमान ने 'मसकली' गाना असल में 'ओम शांति ओम' के लिए बनाया था। उन्होंने बताया कि विशाल-शेखर के आने से पहले, शाहरुख खान की इस फिल्म के लिए संगीत बनाने के लिए ए.आर. रहमान पहली पसंद थे। तो आखिर मसकली शब्द का अर्थ क्या है और यह कैसे दिल्ली-6 का हिस्सा बना?

ए आर रहमान थे पहली पसंद

फराह खान यूट्यूब वॉग के हालिया एपिसोड में, फिल्ममेकर विशाल ददलानी के फार्महाउस गईं, जहां उन्होंने अपने दशकों पुराने रिश्ते के बारे में बात की। बातचीत के दौरान, फराह ने याद किया कि उन्होंने विशाल से कहा था कि वह 'ओम शांति ओम' के संगीत के लिए ए.आर. रहमान के पास जा रही हैं, और अगर बात नहीं बनी, तो विशाल और शेखर उनकी दूसरी पसंद होंगे।

पहले ओम शांति ओम के लिए बनाया था गाना

उस समय विशाल ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बात बन जाएगी और उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि वे दोनों इस प्रोजेक्ट पर उनके असिस्टेंट के तौर पर काम कर सकते हैं। फराह ने बताया, 'रहमान ने 'ओम शांति ओम' के लिए जो पहला गाना बनाया था, वह 'मसकली' था। मुझे नहीं पता कि मैं इसे कहाँ इस्तेमाल करने वाली थी, लेकिन मुझे वह गाना और वह शब्द बहुत पसंद है।



कैसे बना दिल्ली-6 का हिस्सा?

'मसकली' गाने का इस्तेमाल बाद में राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'दिल्ली-6' में किया गया, जिसमें अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर थे। यह फिल्म 'ओम शांति ओम' के एक साल बाद, 2009 में रिलीज हुई थी।

मसकली का क्या है मतलब?

ए. आर. रहमान ने मसकली शब्द को ध्वनि के आधार पर बनाया था। किसी भी डिक्शनरी में इसका कोई अर्थ नहीं है। डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि गाने में बंधे पंखों वाला कबूतर भारतीय समुदायों में युवा महिलाओं पर लगाई गई सख्त सामाजिक पाबंदियों का प्रतीक है। मेहरा ने यह बात अपने पिता के उस अनुभव के आधार पर बताई, जिसमें वे उड़ान भरने की ट्रेनिंग के दौरान छोटे कबूतरों के पंख बांध दिया करते थे।

ओमप्रकाश ने किया है डायरेक्ट

'दिल्ली-6' की बात करते तो यह साल 2009 में आई एक झूमा फिल्म है, जिसे राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन ने एक एन.आर.आई का रोल निभाया है, जो अपनी बीमार दादी (वहीदा रहमान) के साथ भारत आते हैं और अपनी जड़ों को जानने-समझने लगते हैं। इसी दौरान वे एक धार्मिक विवाद में फंस जाते हैं। फिल्म में सोनम कपूर, अदिति राव हेंद्री, ऋषि कपूर, सुप्रिया पाठक, अनुल कुलकर्णी, पवन मल्होत्रा, दीपक डोबरियाल, दिव्या दत्ता, विजय राज और ओम पुरी भी अहम रोल में हैं। इस फिल्म के म्यूजिक को भी काफी सराहना मिली थी जो ए.आर. रहमान ने दिया था।

मेट्रो परियोजना इंदौर में विकास की राह को प्रदान करेगी नई रफ्तार: मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि ►►गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन का विस्तार केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। आज मेट्रो का नया चरण शुरू हुआ है और आने वाले समय में इसके और चरण पूरे होंगे। मेट्रो के माध्यम से इंदौर को उज्जैन और पोथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य क्रमशः आगे बढ़ेगा।

डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में मेट्रो ट्रेन के नए चरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की विशेष उपस्थिति में मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक मेट्रो कॉरिडोर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री खट्टर के अलावा प्रदेश के स्थानीय शासन मंत्री केलाशा विजयवर्गीय ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री खट्टर के साथ किया विस्तारित इंदौर मेट्रो का शुभारंभ



विस्तारित इंदौर मेट्रो को झंडी दिखाते मुख्यमंत्री।

विकास के साथ उद्योग और व्यापार को गति देने का मुख्य माध्यम मेट्रो: खट्टर



इंदौर मेट्रो में स्कूली बच्चों से बातचीत करते सीएम।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विकास संकल्प जनसभा को संबोधित किया बवानीखेड़ा को 78 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, उपमंडल दर्जा मिलेगा

डबल इंजन सरकार प्रदेश में समान विकास करवा रही

हरिभूमि न्यूज ►►बवानी खेड़ा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को बवानी खेड़ा की अनाज मंडी में आयोजित विकास संकल्प जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया। मजनसभा में मुख्यमंत्री ने लगभग 78 करोड़ रुपये की 7 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि केंद्र व हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार आज तिगुनी गति से विकास कार्य करवा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस जनसभा में जनता की अपार उपस्थिति हरियाणा की डबल इंजन सरकार की नीतियों पर अटूट विश्वास की मोहर है। उन्होंने बवानी खेड़ा के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प दोहराते हुए कहा कि कदम-कदम पर विकास की नई इबारत लिखी जाएगी और यह क्षेत्र तरक्की के नए शिखर छूएगा। मुख्यमंत्री ने



12 वर्षों में करवाए 1446 करोड़ के विकास कार्य

उन्होंने बताया कि विगत 12 वर्षों में इस विधानसभा क्षेत्र में 1446 करोड़ 38 लाख रुपये की लागत के विकास कार्य कराए गए हैं, जबकि पिछली कांग्रेस सरकार के 10 वर्षों में यह आंकड़ा मात्र 609 करोड़ 58 लाख रुपये था। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने इस इलाके के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। एनएच-148बी का भिवानी-हांसी खंड 1322 करोड़ रुपये से पूर्ण हो चुका है, एनएच-709ए का निर्माण 749 करोड़ रुपये से किया गया है, भिवानी-खरक एनएच 709 ई को 169 करोड़ रुपये से वारमागाँव बनाया गया है, मानहेरू-बवानी खेड़ा रेलवे लाइन दोहरीकरण 413 करोड़ रुपये से निर्माणाधीन है जिसमें 12 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि खरक कला में जल घर 29 करोड़ 47 लाख रुपये और सुंदर डिस्ट्रिब्यूटरी लाइनिंग 21 करोड़ 27 लाख रुपये की लागत से बनाए गए हैं।

बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा देने की वर्षों पुरानी मांग पर कहा कि डिलिमिटेशन का काम पूरा होते ही वर्ष 2028 में बवानी खेड़ा को उपमंडल का दर्जा मिलेगा। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, जनसभा

के आयोजक विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, सांसद धर्मवीर सिंह, पूर्व मंत्री किरण चौधरी, भिवानी विधायक घनश्याम सर्राफ, नलवा विधायक राधेशीर सिंह पनिहार व पूर्व मंत्री जेपी दलाल भी उपस्थित थे।

क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था ठप, विभाग में हड़कंप चोरों की बड़ी करतूत, खंभों को तोड़कर एल्युमिनियम कंडक्टर वायर चुराए



हरिभूमि न्यूज ►►कोरबा

जिले में चोरों की बड़ी करतूत सामने आई है। चोरों ने पहले चालू विद्युत लाइन के 5 खंभों को हथौड़ा और अन्य सामग्रियों से तोड़कर शॉर्ट सर्किट कर विद्युत प्रवाह बंद कराया, फिर मौका पाकर विद्युत टावर गिराकर एल्युमिनियम कंडक्टर वायर काटकर ले गए। घटना के बाद क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था बंद हो गई और विभाग में हड़कंप मच गया। यह मामला थाना बालको नगर क्षेत्र का है। लाइन चेक करने के दौरान घटना का खुलासा हुआ। इसके बाद संबंधित विभाग ने बालको थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुट गई है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरों करने वाले 2 आरोपियों को धर दबोचा।

रेंज रोवर इलेक्ट्रिक: ओरिजिनल लगजरी एसयूवी के लिए एक नए युग की शुरुआत

मुंबई। ओरिजिनल लगजरी एसयूवीकहीं जाने वाली रेंज रोवर अब इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन के साथ उपलब्ध है, जो बेहतर परफॉरम और क्षमता के एक नए युग की घोषणा करती है। 1970 से रेंज रोवर का घर रहे सोलिडल में अब यह पहली इलेक्ट्रिक रेंज रोवर है। यह रेंज रोवर बांड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अब तक की किसी भी रेंज रोवर से ज्यादा शांत, ज्यादा सहज, ज्यादा प्रतिक्रियाशील और ज्यादा टॉर्क देने वाली रेंज रोवर इलेक्ट्रिक बेमिसाल डिजाइन के साथ असाधारण परफॉरम और चकित कर देने वाली आधुनिकता को जोड़ती है। इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन केबिन का शोर कम करती है और रेंज रोवर की खास खूबियों को और बेहतर बनाती है। बेहतरीन प्रदर्शन, शानदार लगजरी और हर रास्ते पर दमदार क्षमता।

मरम्मत का पूरा खर्च ठेकेदार से होगा वसूल, ठेकेदार से 20 प्रतिशत क्षतिपूर्ति भी वसूली जाएगी आंबेडकर सेतु को लेकर बड़ा एक्शन, फ्लाईओवर को बनाने में विभाग कोई भी राशि खर्च नहीं करेगा

हरिभूमि न्यूज ►►गोपाल

गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक निर्मित फ्लाईओवर (आंबेडकर सेतु) को लेकर विभाग ने बड़ा एक्शन लिया है। इस फ्लाईओवर को बनाने में विभाग कोई भी राशि खर्च नहीं करेगा। इसके बजाय पूरी राशि ठेकेदार को खर्च करना होगा। हाई कोर्ट ने भी करीब साढ़े चार करोड़ रुपए का टेंडर निकालने को गंभीरता से लेते हुए इंजीनियरों को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि आंबेडकर सेतु की मरम्मत का पूरा खर्च ठेकेदार से वसूल होगा। ठेकेदार से 20 प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि भी वसूल की जाएगी। लोक निर्माण विभाग ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर



पर समझौता नहीं किया जाएगा। ठेकेदार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बदलत नहीं होगी। भोपाल शहर में गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक निर्मित फ्लाईओवर (आंबेडकर सेतु) की मरम्मत एवं संधारण पर होने वाला संपूर्ण व्यय संबंधित ठेकेदार संस्था में. वीकेएससी इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड, भोपाल से अनुबंध की शर्तों के अनुसार वसूल किया जाएगा।

विभाग की यह भी लापरवाही देखिए

लोक निर्माण विभाग ने ठेकेदार संस्था को 31 जुलाई 2026 तथा पुनः 11 अगस्त 2026 को आवश्यक सुधार एवं संधारण कार्य करने के निर्देश जारी किए थे। अनुबंध की शर्तों के अनुसार ठेकेदार संस्था को 15 दिवस के भीतर सभी कमियां दूर करनी थीं, लेकिन निर्धारित अवधि में आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण नहीं किया गया। अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार ठेकेदार संस्था की ओर से निर्धारित समय में सुधार कार्य नहीं किए जाने की स्थिति में विभाग को संबंधित कार्य उसके हर्ज-खर्च पर कराने का अधिकार है।

11 एवं 12 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगी यात्री परिवहन विजन समिट मप्र में मोबिलिटी क्रांति की शुरुआत, सीएम डॉ. यादव के आतिथ्य में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना पर केंद्रित होगी दो दिवसीय समिट

हरिभूमि न्यूज ►►गोपाल

मप्र में यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार और उद्योग जगत को एक साथ मंच पर लाने के लिए यात्री परिवहन विजन समिट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। परिवहन विभाग की यह समिट 11 व 12 सितंबर को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में आयोजित की जाएगी।

समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य शामिल होंगे। समिट

मुख्य रूप से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना पर केंद्रित होगी। समिट में निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, परिवहन प्राधिकरण, बस निर्माता, टेक्नोलॉजी कंपनियां, निवेशक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के प्रतिनिधि मंथन करेंगे। इंदौर में आयोजित इस दो दिवसीय यात्री

परिवहन विजन समिट-2026 का आयोजन मप्र यात्री परिवहन एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के सहयोग से तथा इलेट्स टेक्नोमोडिया द्वारा किया जा रहा है। समिट का उद्देश्य प्रदेश में अधिक कनेक्टेड, वित्तीय रूप से साध्य, डिजिटल रूप से सक्षम और नागरिक-केंद्रित यात्री परिवहन इकोसिस्टम के निर्माण पर चर्चा और साझेदारी को बढ़ावा देना है। सरकार ने प्रधानमंत्री के विजन और राष्ट्रीय पहल (जैसे पीएम ई-बस सेवा) के अनुरूप सतत और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन मॉडल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। जो यात्री परिवहन को राज्य की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण घटक के रूप में मजबूत करने की प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मंच राज्य के मोबिलिटी एजेंडे को केवल नीतिगत चर्चा तक सीमित न रखते हुए, सरकारी निर्णयकर्ताओं और कार्यान्वयन में सहयोग करने वाली संस्थाओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद और साझेदारी को बढ़ावा देगा।

17 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर, 16 स्टेशन

सीएम ने कहा कि आज मेट्रो का सफर गांधीनगर से मालवीय चौराहे तक आगे बढ़ रहा है। इस कॉरिडोर की लंबाई 17 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन शामिल हैं। यह परियोजना इंदौर के परिवहन तंत्र को आधुनिक और सशक्त बनाने के साथ ही शहर के विकास को नई गति प्रदान करेगी। सीएम ने इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सहित सभी संबंधित अधिकारियों और मेट्रो परियोजना से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर को लगातार मिल रही विकास की सौगातों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।



युवक पर हमला, मृत समझकर छोड़ा

गौरेला-पेड़ा-मरवाही। मरवाही थाना क्षेत्र की सिवली चौकी अंतर्गत ग्राम मड़वाही में एक युवक के साथ मरपीट हो गई। हमले के बाद आरोपी युवक को मृत समझकर मौके से फरार हो गए। देर रात युवक चवैड़ी तालाब के पास लहूहाइन हालत में मिला। उसके सिर से लगातार खून निकल रहा था। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना वाले दिन शाम करीब 4:30 बजे गेदराल मरपच्ची के बेटे गोविंद सिंह मरपच्ची को मोहल्ले का बीरेन्द्र कुमार बघेल टेंडर चलाने के नाम पर लेकर गया था। इसके बाद रात करीब 1:30 बजे हेमलाल पोट्टम ने परिजनो को सूचना दी कि गोविंद तालाब के पास घायल पड़ा है।

अज्ञात व्यक्ति ने मुंह दबाकर की मारपीट

इलाज के बाद जब गोविंद की हालत में सुधार हुआ और उसे होश आया, तब उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया। गोविंद के अनुसार वह चवैड़ी तालाब के पास वाहन खड़ा कर वहां मौजूद था। इसी दौरान बीरेन्द्र कुमार ने उसे पांच मिनट तकने की बात कही और वहां से चला गया। इसके कुछ देर बाद एक व्यक्ति ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने पीछे से उसका मुंह दबा दिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने उसे बुरी तरह पीटा,

प्रदेश में रेल सेवाओं का हो रहा उल्लेखनीय विकास

डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर को मिली मेट्रो की सौगात के साथ ही इंदौर-मनमाड नई रेल लाइन के लिए 18 हजार 500 करोड़ रुपए की मंजूरी भी क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह परियोजना इंदौर, मालवा और पूरे मध्यप्रदेश के विकास में नया इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि इस रेल परियोजना के पूर्ण होने के बाद इंदौर और

मुंबई के बीच आवागमन के लिए गुजरात होकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में गुना से उज्जैन, उज्जैन से इंदौर और इंदौर से मनमाड तक बेहतर रेल कनेक्टिविटी विकसित होगी। इसके साथ ही मेट्रो के उज्जैन तक विस्तार का संकल्प भी लिया गया है।

मेट्रो कॉरिडोर का शुभारंभ विकास में मील का पत्थर

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इंदौर में मेट्रो के नए 11 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का शुभारंभ शहर के विकास के लिए मील का पत्थर है। पहले मेट्रो का लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा आउटर क्षेत्र तक सीमित था, लेकिन नए कॉरिडोर के जुड़ने

से मेट्रो अब शहर के प्रमुख क्षेत्रों से भी जुड़ गई है। उन्होंने कहा कि मेट्रो के विस्तार से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समग्रदृष्टि परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे शहर में आवागमन सुगम होगा और लोगों के समय की बचत होगी।

परियोजना के संदर्भ में की गई विस्तृत चर्चा मेगा टैंक ओवरहॉलिंग फैसिलिटी परियोजना में सुविधा के होंगे प्रयास



मंत्री राकेश सिंह ने फैक्ट्री के सीजीएम प्रवीण कुमार से की मुलाकात।

हरिभूमि न्यूज ►►गोपाल

जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री (वीएफजे) में 472 करोड़ रुपये की लागत से टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए बनने वाले मेगा टैंक ओवरहॉलिंग फैसिलिटी (मरम्मत और आधुनिकीकरण केंद्र) की ढांचागत सुविधाओं में केंद्र व राज्य सरकार के बीच समन्वय बनाते हेतु कार्य को गति देने के उद्देश्य से लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से व्हीकल फैक्ट्री के सीजीएम प्रवीण कुमार ने मंत्री सिंह के निवास पर भेंट कर परियोजना के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री में लगभग 472 करोड़ रुपये से टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए बनने वाले एक टैंक मेगा ओवरहॉलिंग फैसिलिटी (मरम्मत और आधुनिकीकरण केंद्र) बनाने को स्वीकृति दी है और इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विगत दिनों किया गया था।

80 टी-सीरीज टैंकों की ओवरहॉलिंग और अपग्रेडेशन किया जाएगा

मंत्री सिंह से भेंट के दौरान सीजीएम ने बताया कि इस नई यूनिट में हर साल भारतीय सेना के 80 टी-सीरीज (टी-72 और टी-90) टैंकों की ओवरहॉलिंग और अपग्रेडेशन किया जाएगा। यह सुविधा आर्मड व्हीकलस निगम लिमिटेड के अंतर्गत आने वाली व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में विकसित की जा रही है मंत्री राकेश सिंह ने सीजीएम से स्थानीय रोजगार एवं स्थानीय उधमीयों के विषय में भी विस्तार से चर्चा की और जानकारी ली। सीजीएम कुमार ने मंत्री सिंह से इस प्रोजेक्ट में जो ढांचागत सुविधाएं आवश्यक है, उन पर केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय बनाने का आग्रह किया जिस पर मंत्री सिंह ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस प्रोजेक्ट में राज्य सरकार की जो भी भूमिका होगी और उसके दृष्टिगत किसी भी आने वाली कठिनाइयों को नियमानुसार दूर किया जाएगा।

8 अनुपस्थित शिक्षकों पर जताई नाराजगी, नोटिस जारी शिक्षक की भूमिका में दिखाई दिए कलेक्टर, पढ़ाया अनुशासन और मेहनत का पाठ

हरिभूमि न्यूज ►►कोरबा

शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने एक शिक्षक की भूमिका निभाते हुए प्रधानमंत्री एकलव्य आवासीय विद्यालय छुरी पहुंचकर विद्यार्थियों को अनुशासन और मेहनत का पाठ पढ़ाया। उन्होंने क्लास में बैठकर बच्चों से वन-टू-वन संवाद किया और उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान 8 शिक्षक अनुपस्थित मिले, जिस पर कलेक्टर ने सभी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने 8वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन दोबारा नहीं आता, यही मेहनत का सही समय है। माता-पिता की उम्मीदों को पूरा



करने के लिए ईमानदारी से पढ़ाई जरूरी है। उन्होंने बताया कि अनुशासन, कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और लक्ष्य के प्रति एकाग्रता ही सफलता की नींव है। 12वीं साइंस के विद्यार्थियों से संवाद के दौरान कलेक्टर ने उन्हें फिजिक्स के सवाल हल करने को दिए। समय पर सवाल हल न होने पर उन्होंने शिक्षकों को शिक्षण व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षक करते हैं मार्गदर्शन

उन्होंने बच्चों से कहा कि शिक्षक उनके भविष्य के लिए मार्गदर्शन करते हैं, इसलिए उनकी बात मानें और शकाओं का समाधान शिक्षक से ही करें। विद्यार्थियों ने पानी सहित भोजन और आवासीय व्यवस्था की समस्याएं बताईं। कलेक्टर ने बताया कि क्षेत्र में जलस्तर नीचे जाने से बोर फेल हुए हैं, पानी की स्थानीय समस्या के लिए पई पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जल्द समाधान होगा। इस दौरान पीजीटी/टीजीटी शिक्षक दीपेंद्र, तरुण कुमार, तरुण पैकरा, संदीप राज, संदीप यादव, पवन कुमार, ऊषा एवं अशोक अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आवासीय विद्यालय में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

चर्चा के केंद्र में रहेगी मप्र की यात्री परिवहन परिकल्पना

मप्र की यात्री परिवहन परिकल्पना और भविष्य की मोबिलिटी व्यवस्था यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में चर्चा के प्रमुख केंद्र में रहेगी। समिट में प्रदेश में यात्री परिवहन को आधुनिक, सुलभ और व्यापक बनाने का यात्री निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। समिट के केंद्र में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना रहेगी।

समग्र आधुनिक मोबिलिटी इको सिस्टम उद्देश्य

मोबिलिटी उद्योग के लिए साझेदारी का महत्वपूर्ण मंच निजी बस ऑपरेटर, बस निर्माता, टेक्नोलॉजी कंपनियां, इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां, चांजिन और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े संगठन, वित्तीय संस्थान और मोबिलिटी इन्वेंटरस के लिए यात्री परिवहन विजन समिट मध्यप्रदेश सरकार के विकसित हो रहे पीपीपी फ्रेमवर्क के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसमें शामिल होने वाले संगठन आगामी आवश्यकताओं को समझ सकते हैं। साथ ही अपने समाधानों को प्रस्तुत कर सकते हैं। पायलट प्रोजेक्ट्स और साझेदारियों की संभावनाएं तलाश सकते हैं तथा मध्यप्रदेश के यात्री परिवहन परिवर्तन से उभर रहे अवसरों का मूल्यांकन कर सकते हैं।

सेवा योजना का उद्देश्य प्रदेश में एक समग्र और आधुनिक मोबिलिटी इको सिस्टम विकसित करना है। इसके अंतर्गत बस निर्माण, पब्लिक मैनेजमेंट, चांजिन इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई एवं एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त जैसे क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं विकसित होंगी। यह पहल निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए प्रौद्योगिकी और नए व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से मप्र के दीर्घकालिक यात्री परिवहन नेटवर्क में योगदान देने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

चिंतन

नियमों की अनदेखी जवाबदेही किसकी

दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला हॉस्टल का भरभराकर गिरना महज एक इमारत के ढहने की घटना नहीं है। यह उस जर्जर व्यवस्था पर बड़ा सवाल है, जो हादसे के बाद तो पूरी ताकत से सक्रिय दिखाई देती है, लेकिन हादसे से पहले खतरे को पहचानने में अक्सर नाकाम रहती है। दो छात्रों की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद राहत-बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन असली सवाल मलबे से कहीं बड़ा है। आखिर इमारत गिरी क्यों और इसे गिरने से पहले रोका क्यों नहीं जा सका? प्रारंभिक जांच में नवीनीकरण और बेसमेंट में चल रहे काम से इमारत के निलंबित हिस्से के कमजोर होने की आशंका सामने आई है। इनमें नियमों की अनदेखी की गई। अब यह जवाबदेही किसकी है। अगर भवन में नवीनीकरण या बेसमेंट की खुदाई चल रही थी तो उसकी सुरक्षा जांच किसने की? क्या काम के दौरान भवन की संरचनात्मक मजबूती का आकलन किया गया? क्या आसपास की इमारतों पर पड़ने वाले संभावित खतरों को देखा गया? गंभीर बात यह है कि सत्य निकेतन में यह पहला हादसा नहीं है। वर्ष 2022 में भी इसी इलाके में नवीनीकरण के दौरान तीन मंजिला मकान का हिस्सा गिरने से दो लोगों की मौत हुई थी। हादसे के बाद भी जांच और कार्रवाई की बातें हूँ थीं। चार सालों के बाद फिर उसी इलाके में बहुमंजिला इमारत का गिरना बताया है कि पुराने हादसे से मिले सबक कितने कमजोर साबित हुए। सवाल यह है कि क्या इस बीच यहां के पीजी, हॉस्टल और नवीनीकरण वाली इमारतों का कोई सुरक्षा सर्वे हुआ? इससे पहले भी राष्ट्रीय राजधानी में होटल में आगजनी, कोचिंग सेंटers में हादसे और बुराड़ी में इमारत गिरने से कई लोगों की मौत के मामले सामने आ चुके हैं। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास का प्रमुख छात्र इलाका है। बड़ी संख्या में छात्र यहां पीजी और किराये के कमरों में रहते हैं। ऐसे में एक छोटी सी संरचनात्मक चूक बड़ी त्रासदी में बदल सकती है। फिर भी सवाल यही है कि प्रशासन के पास ऐसे भवनों का अद्यतन रिकॉर्ड और उनकी सुरक्षा की नियमित निगरानी कितनी प्रभावी है? यह समस्या सिर्फ सत्य निकेतन की नहीं है। दिल्ली में समय-समय पर इमारतों के गिरने की घटनाएं सामने आती रही हैं। हर हादसे के बाद अवैध निर्माण, कमजोर ढांचे और प्रशासनिक लापरवाही की चर्चा होती है। कुछ समय बाद जांच को फाइलें ठंडी पड़ जाती हैं और शहर उसी ढंग पर लौट आता है। यही सबसे खतरनाक स्थिति है। हादसे के बाद दमकल, पुलिस, आपदा प्रबंधन और बचाव दलों का तेजी से मौके पर पहुंचना जरूरी है, लेकिन सरकार की असली परीक्षा मलबे में फंसे लोगों को निकालने से पहले शुरू होती है। क्या उसने उस खतरों को पहचाना था, जिसे समय रहते टाला जा सकता था? आपदा प्रबंधन जरूरी है, वह तो तत्काल तकनीकी जांच जहरी है। जांच में यदि भवन मालिक, ठेकेदार या किसी तकनीकी विशेषज्ञ की लापरवाही सामने आती है तो कार्रवाई हो। यदि निगरानी करने वाले विभाग की चूक मिलती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय हो। जवाबदेही उस व्यवस्था की भी होनी चाहिए, जिसने खतरों को समय रहते रोकने का काम नहीं किया।

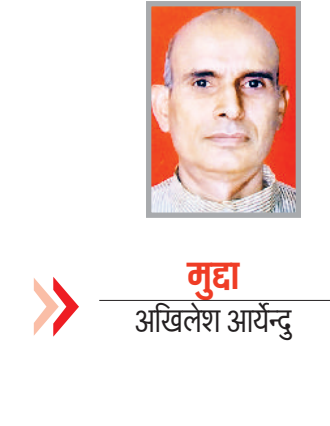
मंथन
ज्ञानेन्द्र रावत



पूरे हिमालय क्षेत्र की साझा चेतावनी है नेपाल त्रासदी

बीती 26 सितंबर की अल-सुबह तिब्बत सीमा से लगे नेपाल के रसुवा जिले में आए सैलाब के तांडव की चपेट से धार्दिंग, नुवाकोट, गोरखा, तनहुँ, नक्पासी और चिवन समेत तमाम निचले इलाकों के हजारों घर, दफ्तर, बाजार का अस्तित्व मिट गया। वहां सड़कों का अता-पता नहीं है। करोड़ों-अरबों के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। अभी तक 1127 से ज्यादा लोगों की मौत हुई हैं। उनकी पहचान प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। चार हजार आठ सौ अष्टावन से ज्यादा की तादद में लोग और 583 विदेशी पर्यटक अभी भी लापता हैं, जबकि 315 पर्यटक बचा लिए गए हैं। अभी तक 756 से ज्यादा लोगों को बचाव दल द्वारा बचा लिया गया है। 290 मानसरोवर जाने वाले यात्रियों की तलाश जारी है। वहां अस्पतालों में शवों के रखने की जगह कम पड़ने के बाद शवों को बाहर टेंटों में रखना पड़ रहा है। भोटेकोशी और त्रिशूली घाटियों में स्थित 14 पनबिजली परियोजनाएं पूरी तरह तबाह हो गई हैं, परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। नेपाल, चीन और भारत के हजारों राहतकर्मी बचाव कार्य में लगे हैं। नदी के तेज बहाव के बीच दुर्गम हालात में बचाव कर्मियों के साहस की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। नेपाल में यह सैलाब कैसे आया, इस बाबत अलग-अलग वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। सच्चाई यह है कि न तो उस वक्त नेपाल में तेज बारिश हुई, न मौसम ही खराब था लेकिन इस जलजलने ने वहां सब-कुछ तबाह कर दिया। कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि हिमस्खलन द्वारा तिब्बत के केरूंग इलाके में लेंडे नदी को अवरुद्ध करने से नदी में झील का निर्माण हुआ और भारी मात्रा में उसमें पानी जमा हो गया। जब यह हिमनद फटा तो भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में बाढ़ आ गयी। दूसरी ओर भूवैज्ञानिक मानते हैं कि गोसाईं कुंडा से 47 किलोमीटर उत्तर में तिब्बती इलाके में उस दिन सुबह 8.37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। इससे नदी में बनी झील का बांध टूट गया। इस दृष्टिकोण को नेपाल के विदेश मंत्री भी स्वीकारते हैं। कुछ इसके पीछे ग्लेशियर झील के फटने, कुछ बर्फ के पिघलने से या हिमस्खलन से अचानक नदी में बाढ़ आने, कुछ तिब्बत के पठारी इलाके में भारी बारिश आने से नदी के जलस्तर बढ़ने से आयी बाढ़ आने और कुछ रसुवा जिले में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर ग्लेशियर के फटने और उसके हिस्से टूटकर गिरने और अपने साथ मलबा बहाकर लाने को इस जल प्रलय की असली वजह मानते हैं। इसमें दो राय नहीं है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र गंभीर पारिस्थितिकी संकट से जूझ रहा है। पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय परिस्थितिजन्य स्थितियों से जुड़े संकट का मौजूदा हालात में केवल नेपाल ही नहीं, समूचा हिमालयी क्षेत्र सामना कर रहा है। यह पहाड़ों पर विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का ही दुष्परिणाम है। यह गंभीर मामला है। विकास को राहत उपायों के साथ संतुलित किए जाने की बेहद जरूरत है। मानव ने प्रकृति में इतना अधिक हस्तक्षेप किया है जिसका प्रकृति अब हम तक दे रही है। हिमालय के हादसे बता रहे हैं कि हिमालय क्षेत्र में सब ठीक नहीं चल रहा है। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी समझ से परे है। ऐसे समय जब समूची दुनिया बढ़ते तापमान के कहर से त्रस्त है और जब इस इलाके में मौसमी विभीषिका विकराल रूप ले रही हैं, तब ये आपदायें इस क्षेत्र में तमाम खतरों की संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं और हिमालय की नाजुक ढलान, घाटियों में मानवीय तथा निर्माण गतिविधियों के प्रति सावधान करती हैं। नेपाल में जिस तरह कुदरत का कहर बरपा है, उससे न सिर्फ शासन तंत्र को, बल्कि समाज को भी सबक लेने की जरूरत है। यह भी कि हिमालयी अंचल में विकास योजनाओं के निर्माण के समय क्या-क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए। हमारी जिद ही हमें इस इलाके में मैदानी क्षेत्र की तरह विकास करने की ओर ले जाती है। यही वजह है कि यह पर्वत श्रृंखला जो हमारे लिए ही नहीं, समूचे क्षेत्र के लिए परदान है, हमारा साथ छोड़ रही है। बीते दशक की आपदाएं चेतावनी हैं जिन्हें समझना और उन पर अमल बेहद जरूरी है। इसलिए अभी भी समय है कि सभी हिमालयी देशों को इसके मूल चरित्र को समझते हुए इसके संरक्षण हेतु आगे आना होगा। ऐसे हालात में इस अति संवेदनशील इलाके में एक साझी पर्यावरणीय दृष्टि विकसित करने, भारत, चीन, नेपाल, भूटान और तिब्बत क्षेत्र के बीच वैज्ञानिक संस्थाओं और आपदा प्रबंधन तंत्र विकसित किए जाने की जरूरत है जो एक साथ अति वृष्टि, भूस्खलन, ग्लेशियरों के पिघलने, ग्लेशियर झीलों के टूटने, पर्माफ्रॉस्ट से होने वाले नुकसान पर अंकुश लगा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और पर्यावरणविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा
अखिलेश आर्येन्दु

भारत की मेजबानी में होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल एक अंतरराष्ट्रीय बैठक नहीं है। भारत के सामने इस बात की परीक्षा भी है कि भारत कितनी कुशलता से परस्पर विरोधी हितों वाले देशों को एक साझा मंच पर ला सकता है। इस समय ब्रिक्स में भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया है। इंडोनेशिया इसका 2025 में सदस्य बना। लगातार विस्तार से ब्रिक्स की प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है और भूमिका व महत्ता भी। अब इसमें लैटिन एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और लैटिन अमेरिका जैसी बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं एक साथ हैं। ब्रिक्स को अब केवल आर्थिक संगठन के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा।

ब्रिक्स व बदलती दुनिया में भारत की भूमिका

ब्रिक्स के गठन के बाद से ही पश्चिम एशिया और खासकर खाड़ी देशों में इसकी भूमिका और कूटनीतिक कवायदों को लेकर चर्चा होने लगी थी। खासकर विस्तारित ग्यारह देशों के इस समूह की दुनिया के देशों खासकर खाड़ी देशों में इसकी कूटनीतिक भूमिका पर। अब जबकि दुनिया में इस समय महज आर्थिक बदलाव का दौर नहीं चल रहा है, इसकी भूमिका और भारत के सामने अवसर को लेकर चर्चा तेज हो गई है। गौरतलब है कि दुनिया इस वक्त महज आर्थिक और सांस्कृतिक दौर से नहीं गुजर रही है, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन के पुनर्गठन का दौर भी चल रहा है। पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाली पुरानी संस्थाओं के सामने समानांतर ग्लोबल साउथ अपनी आवाज अधिक प्रभावी बनाने की कोशिश में लगा है। ऐसे समय में भारत की मेजबानी में होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल एक अंतरराष्ट्रीय बैठक नहीं है।

भारत के सामने इस बात की परीक्षा भी है कि भारत कितनी कुशलता से परस्पर विरोधी हितों वाले देशों को एक साझा मंच पर ला सकता है। इस समय ब्रिक्स में भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया है। इंडोनेशिया इसका 2025 में सदस्य बना। लगातार विस्तार से ब्रिक्स की प्रासंगिकता लगातार बढ़ रही है और भूमिका व महत्ता भी। अब इसमें लैटिन एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और लैटिन अमेरिका जैसी बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाएं एक साथ हैं।

यही वजह है कि ब्रिक्स को अब केवल आर्थिक संगठन के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह वैश्विक दक्षिण के राजनीतिक और आर्थिक समन्वय का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों को सामने रख सकता है- वैश्विक आर्थिक और आपूर्ति-व्यवस्था बनाना जो युद्ध, महाभूत, ऊर्जा संकट और व्यापारिक व्यवधानों से प्रभावित न हो। दूसरा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नई तकनीकों में सहयोग करना। तीसरा है-विकासशील देशों के बीच व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक में सहयोग बढ़ाना और चौथी प्राथमिकता जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा, खाद्य, ऊर्जा सुरक्षा और टिकाऊ विकास को आगे बढ़ाना। इस तरह हम देखें तो भारत ने ब्रिक्स को केवल राजनीतिक बयानबाजी का मंच बनाने के बजाय व्यावहारिक सहयोग के मंच में बदलने की कोशिश की है। ब्रिक्स के विस्तार की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का इसमें शामिल होना। इससे ब्रिक्स की पहुंच ऊर्जा और वैश्विक

वित्त केंद्रों तक हो गई है। सऊदी अरब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल उत्पादकों में और संयुक्त अरब अमीरात व्यापार, वित्त, लॉजिस्टिक्स और निवेश का केंद्र बन चुका है। भारत के लिए यह खास मायने रखता है क्योंकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले भारतीय समुदाय, निवेश, समुद्री व्यापार और पश्चिमी एशिया की स्थिरता सीधे भारत के आर्थिक हितों से जुड़े हैं। भारत और सऊदी अरब के संबंधों में ऊर्जा के साथ-साथ व्यापार, निवेश, रक्षा और प्रौद्योगिकी का महत्व बढ़ रहा है। भारत-सऊदी द्विपक्षीय व्यापार 2.23 में 52 अरब डॉलर से अधिक बताया गया था। इसी तरह भारत और

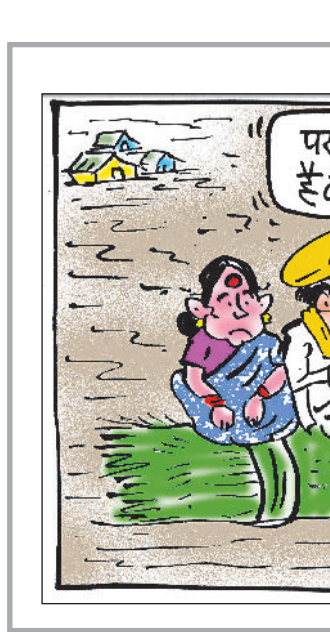


संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद व्यापारिक संबंधों में महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है। दोनों देशों ने 2026 में भी व्यापार, निवेश, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। ब्रिक्स में दो अरब देशों सऊदी अरब, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात हैं। अध्यक्ष बनने पर इसके सामने सबसे कठिन चुनौती कूटनीतिक है। एक तरफ ईरान है और दूसरी तरफ सऊदी अरब तथा संयुक्त अरब अमीरात है। पश्चिम एशिया में इन देशों के हित हमेशा एक जैसे नहीं रहे हैं। मौजूदा दौर में पश्चिम एशिया संकट ने यह चुनौती और गंभीर कर दी है। गौरतलब है मई 2026 में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में ईरान और उसके खाड़ी पड़ोसियों से जुड़े मतभेदों के कारण साझा बयान पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ऐसे में यह सवाल पैदा होता है कि क्या ब्रिक्स इतनी विविध परस्पर विरोधी रणनीतिक प्राथमिकताओं वाले देशों को एक साझा राजनीतिक आवाज दे सकता है? भारत की अध्यक्षता की वास्तविक सफलता का आकलन इसी कसौटी पर किया जाएगा। इसके बावजूद भारत के लिए इसका अध्यक्ष होने पर तमाम फायदे हैं,

उपकार

किसी संकट एवं कष्ट के समय हर क्षण हमारी जिह्वा पर प्रभु का नाम होता है। मन, कर्म एवं वचन से भी हमें उनके अनुनय-विनय की मुद्रा में ही रहते हैं। फिर एक दिन जब हम प्रभु की अनुकंपा से उन बुरे दिनों की चपेट से उबर जाते हैं तो उन्हें भूल जाते हैं। इस प्रकार जन्म से लेकर आज तक हमारे ऊपर ईश्वर के ऐसे उपकारों का सिलसिला अनंत है। प्रभु के उपकार रूपी ऋण से उद्धार होना हम मनुष्यों के लिए जीवनपर्यंत असंभव है। धन्य हैं वे करुणानिधान, जिन्होंने विशेष कृपा कर हमें बनाया। हाथ, कान, नाक, पांव, बुद्धि एवं घ्राण क्षमता-सब कुछ कार्योंपयोगी। यदि वह एकाध अंग-उपांग से अथवा अनेक जीवनेपयोगी शारीरिक क्षमताओं से वंचित कर विपरीत परिस्थितियों में जन्म दे देते तब भी हमें जीवन जीना ही पड़ता। तो क्या फिर हम अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य पर इतना इतरा पाते? बिल्कुल नहीं। तब पल-पल संघर्ष एवं परिश्रम कर सब कुछ डोलना ही होता। प्रभु ने कुछ तो समझ-बूझकर हम मनुष्यों को जीवन की ये तमाम अनुकूलताएं दी होंगी। भगवान ने इतनी सुविधाएं दीं तो बदले में हमने क्या विलक्षण किया? वास्तव में ईश्वर ने हमें ये सारी अनुकूलताएं एवं सुविधाएं कुछ विशेष कार्य करने के लिए दी हैं, न कि केवल व्यर्थ में कुछ विशेष होने-समझने के लिए। समस्या यह है कि ओरो के कल्याण एवं हित के लिए प्रभु-दरबार से अनुकंपा पर मिली वस्तुओं को हमने भूलवश नितांत अपना ही समझ लिया।



करंट अफेयर

पाक के पंजाब सूबे को पड़ोसी राज्यों से अधिक खतरा : मरियम

पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने कहा कि उनके सूबे को पड़ोसी देशों से अधिक पड़ोसी सूबों से खतरा है। पाकिस्तान में विशेषकर पंजाब से सटे खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान सूबों में गत वर्षों के दौरान आतंकी गतिविधियों में काफी बढ़ी है। पंजाब सूबे की सीमा भारत से भी लगती है। मरियम ने शनिवार को लाहौर में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ‘पंजाब में आतंकवाद राज्य की सीमाओं से दाखिल होता है। दुख की बात यह है कि 13 करोड़ की आबादी वाले पंजाब को जो खतरा है, वह मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी राज्यों से अधिक है।’ पंजाब की मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पड़ोसी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का जिक्र करते हुए कहा, ‘वहां से पंजाब में आतंकवाद आता है। सबकी नजरें पंजाब पर हैं, लेकिन ईश्वर का शुक्र है कि पंजाब सुरक्षित है। हमें जिस तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है, वे हमारी सभी प्रांतीय सीमाओं से आते हैं। खैबर पख्तूनख्वा सूबे में सतारूढ़ प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान तहरीक-ए -इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेता ने पंजाब की मुख्यमंत्री की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे ‘अपमानजनक’ बताया।



ऑफ बीट

दौड़ने से नशे की लत से मिल सकता है छुटकारा

शोध से पता चलता है कि व्यायाम लत से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है। यह एक नशामुक्त आनंद है, जो मूड को बेहतर कर सकता है, लालसा (क्रेविंग्स) और मानसिक स्वास्थ्य के लक्षणों को कम कर सकता है, जिससे दोबारा नशे में लौटने से बचाव हो सकता है। हालांकि, अमेरिका में विशेष रूप से नशे से छुटकारा पाने के लिए दौड़ने वाले लोगों के समूह मौजूद हैं, लेकिन अधिकतर शोध नशा-उपचार के दौरान क्लीनिक में ट्रेडमिल पर किए गए हैं। इससे कई सवाल अनुरोधित रह जाते हैं जैसे लोग समय के साथ लत से उबरने की अपनी प्रक्रिया में दौड़ का उपयोग कैसे करते हैं, इससे किसे लाभ होता है और क्यों। हम यह समझना चाहते थे कि दौड़ने से लोगों को नशीले पदार्थ या शराब के इस्तेमाल से नशामुक्त जीवन की ओर बढ़ने में कैसे मदद मिलती है।अधिकांश लोगों ने शराब को नशे का मुख्य स्रोत बताया। नतीजे बताते हैं कि नशीले पदार्थ या शराब के ईया-निर्दि सिमटा जीवन धीरे-धीरे दौड़ने से व्यवस्थित हो गया। शुरुआत में ज्यादातर प्रतिभागी वजन घटाने के लक्ष्यों से प्रेरित थे, न कि स्वास्थ्य लाभ से। वे दौड़ने की तैयारी के दौरान भी मादक पदार्थों का सेवन करते रहे, कभी-कभी लंबी दौड़ शुरू करने से पहले थोड़ी शराब भी लेते थे।

विचार हरिभूमि 8

जिनसे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसमें बड़ा लाभ इसके कूटनीतिक हैं, जिसके तहत रूस, चीन, ईरान, अरब देशों, अफ्रीकी देशों और लैटिन अमेरिका के साथ संवाद करने की स्थिति में है। इससे भारत की उस विदेश नीति को मजबूती मिलती है जिसे आम तौर पर रणनीतिक स्वायत्तता कहा जाता है। इसी के साथ भारत पश्चिमी देशों के साथ भी अपने संबंध मजबूत रख सकता है और ब्रिक्स जैसे मंचों पर ग्लोबल साउथ की आवाज भी उठा सकता है। इसी तरह भारत को अध्यक्ष बनने पर आर्थिक लाभ इसके विस्तारित सदस्य देशों में ऊर्जा, कच्चे माल, कृषि, खनिज, निवेश, तकनीक और बाजारों की विशाल संभावनाएं भविष्य में बन सकती हैं। रूस और पश्चिमी एशिया के ऊर्जा उत्पादक देशों का एक ही मंच पर होना भारत के लिए रणनीतिक अवसर है। भारत को कच्चे तेल और गैस की जरूरत है। साथ ही भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, दुर्लभ खनिजों और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की जरूरत बढ़ने वाली है। इसको देखते हुए ब्रिक्स को भारत के लिए ऊर्जा और कूटनीतिक खनिज साझा मंच बनाया जा सकता है। भारत ब्रिक्स के जरिए तमाम फायदे तलाश सकता है लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। दोनों देश ब्रिक्स के सदस्य हैं, लेकिन दोनों के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धाएं भी कम नहीं हैं। ऐसे में संतुलन बनाए रखना भारत के सामने बड़ी चुनौती होगी। दूसरी बात, रूस ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य है। भारत के लिए रूस आज सबसे बड़ा साझेदार, सहयोगी और विश्वसनीय मित्र है। लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने रूस के साथ भारत के संबंधों को पश्चिमी देशों की नजर में अधिक संवेदनशील बनाया है।

ऐसे में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह रूस के साथ अपने संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका और यूरोप के साथ भी अपने रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाए। भारत की असली सफलता इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि सम्मेलन के अंत में कितने पनों का घोषणापत्र जारी हुआ। सफलता तब होगी, जब ब्रिक्स के सदस्य देश ऐसी परियोजनाओं और संस्थागत व्यवस्थाओं पर सहमत हों, जिनका प्रभाव सम्मेलन समाप्त होने के बाद भी दिखाई दे। सवाल यह है क्या भारत विरोधाभाषों से भरे इस समूह को साझा हितों के मंच में बदल पाएगा? यह सम्मेलन के बाद पता चलेगा। फिर भी उम्मीद कर सकते हैं कि भारत अपना हित साधते हुए सभी तरह की चुनौतियों, कठिनाइयों और अवसरों को बेहतर तरीके से अपने हित में भुना लेगा।

(लेखक स्वतंत्र संस्कारक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अजी प्रतिक्रिया haribhoom@gmail.com पर दे सकते हैं।

मित्रता मुश्किल समय के लिए एक भरोसा

रामायण में हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता करवाई थी। पहली मुलाकात में श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि मैं मेरी पत्नी सीता को खोज में जंगल-जंगल भटक रहा हूं, लेकिन आप तो राजा हैं। आप जंगल में क्यों रह रहे हैं? पहले सब ठीक था, लेकिन एक दिन हमारे राज्य में एक राक्षस आ गया तो बालि उसे मारने गया। सुग्रीव ने श्रीराम से अपना साथ वृतांत बताया कि कैसे भाई को गलतफहमी हुई। श्रीराम ने सुग्रीव की पूरी बात सुनी और कहा कि ठीक है मैं आपकी मदद करूंगा। पहले तो सुग्रीव को श्रीराम पर भरोसा नहीं हुआ। वह सोचने लगा कि बालि तो इतना बलवान है, राम उसे कैसे मार सकते हैं? ये कैसे मेरी मदद कर पाएंगे? सुग्रीव के चेहरे पर संदेह देखकर श्रीराम ने कहा कि सुग्रीव, अब मैं तुम्हारा मित्र हूं। मित्र के छह गुण हैं। पहला, अपने दोस्त के दुख में दुखी होना। दूसरा, मित्र के दुख को दूर करने का प्रयास करना। तीसरा, मित्र को गलत रास्ते पर जाने से रोकना। चौथा, लेन-देन के समय शंका न करना। पांचवां, हमेशा दोस्त का भला करना और छठा गुण है, विपत्ति के समय दोस्त के साथ खड़े रहना। ये सभी अच्छे मित्र के लक्षण हैं और तुम मुझे अपना मित्र समझ सकते हो। श्रीराम की बातें सुनकर सुग्रीव को उनकी बातों पर भरोसा हो गया। इसके बाद सुग्रीव ने भी सीता की खोज में मदद करने का वचन दिया। दोनों मित्रों ने एक-दूसरे की परेशानी को हल करने का संकल्प लिया।



बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र का सर्वे

विजकूट जिले ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे और घाटों का जमीनी निरीक्षण किया। बाढ़ से प्रभावित 800 परिवारों को राहत सामग्री बांटी गई, बेघर हुए परिवारों को जमीन के आंदोलन प्रमाण-पत्र दिए।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उत्तरप्रदेश



घायलों को तुरंत मिले इलाज

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की खबर ब्रेकट द्रुष्ट और वित्तजनक ने। खबरों के मुताबिक, मलबे के नीचे कई लोग दबे हुए हैं, जिनमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के कई छात्र भी शामिल हैं। मेरी अपील है कि सभी बचाव दल हर संभव कोशिश करके घायलों को तुरंत सबसे अच्छा इलाज दिलाएं।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस



छात्रों के सपनों को उड़ान

टेक्नोलॉजी के जरिए टैलेट को सशक्त बनाकर, हम अपने होनहार छात्रों के सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं। मेरा मानना है कि लैपटॉप छात्रों की पढ़ाई, रिसर्च, इन्वोल्वेशन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मददगार साबित होगा।
- डा. मोहन यादव, सीएम, मध्य प्रदेश



पंजाब में बहुत तरक्की

पिछले चार सालों ने पंजाब ने बहुत तरक्की की है। जिस पंजाब को पिछली सरकारों ने नशे की दलदल में धकेल दिया था, आज उसी पंजाब के गंगों के बच्चे 'छेड़न वतन पंजाब दिया सीजन 4' में आपना हुनर दिखा रहे हैं। अब हमारा पंजाब बल रहा है। -अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली



अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फेब्स :
0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से
hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

दुखद संयोग : झारखंड में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य का निधन

एजेसी ► रांची

झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार सोनु के रविवार सुबह आकस्मिक निधन के साथ राज्य की राजनीति में एक असामान्य और दुखद संयोग जुड़ गया है। पिछले करीब साढ़े तीन वर्षों में झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग से जुड़े तीन मंत्रियों जगरनाथ महतो, रामदास सोरेन और सुदिव्य कुमार सोनु का निधन हो चुका है। जगरनाथ

महतो और रामदास सोरेन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री रहे, जबकि सुदिव्य कुमार सोनु के पास उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग था। हालांकि हेमंत सोरेन के सात वर्षों के कार्यकाल में अब तक चार मंत्रियों का निधन हो चुका है। मंत्री हफीजुल हसन अंसारी का निधन भी हेमंत सोरेन के पहले कार्यकाल में हुई थी।

कुमार का निधन हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में 2019 के बाद किसी पदासीन मंत्री की मृत्यु का चौथा मामला भी है।

साढ़े 3 साल में 3 शिक्षा मंत्रियों ने छोड़ी दुनिया, जगरनाथ और रामदास स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री रहे

शिक्षा विभाग से जुड़े दो अन्य मंत्री-जगरनाथ महतो और रामदास सोरेन का निधन क्रमशः 2023 और 2025 में हुआ था। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री कुमार का रविवार तड़के गिरिडीह के एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करीबी सहयोगी 56 वर्षीय कुमार एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकटमोचक के रूप में उभरे थे। रांची में नौकरी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर हाल

में छात्रों के आंदोलन के दौरान सरकार की ओर से छात्रों से संवाद स्थापित करने के प्रयासों में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग संभालने वाले रामदास सोरेन का 15 अगस्त 2025 को दिल्ली में निधन हो गया था। उन्हें अपने आवास में गिरने के बाद सिर में गंभीर चोट लगी थी। सोरेन से पहले इसी विभाग का जिम्मा संभालने वाले जगरनाथ महतो का लंबी बीमारी के बाद 6 अप्रैल 2023 को चेन्नई में निधन हो गया था। कोविड-19 से जुड़ी

फेफड़ों की क्षति के कारण उनकी सेहत लंबे समय से खराब थी। उन्होंने 2020 में फेफड़े का प्रतिरोपण भी कराया था। इससे पहले राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहे हाजी हुसैन अंसारी का तीन अक्टूबर 2020 को कोविड-19 के बाद की जटिलताओं के कारण निधन हो गया था। इन मौतों के बीच कोई ज्ञात संबंध नहीं है, लेकिन यह झारखंड के हालिया राजनीतिक इतिहास में उल्लेखनीय जरूर है।



जगरनाथ महतो
6 अप्रैल 2023



रामदास सोरेन
15 अगस्त 2025



सुदिव्य कुमार
6 सितंबर 2026

मंत्री अंसारी का भी हुआ था निधन

इससे पहले अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहे हाजी साहब (73) बुजुर्गवार थे। वो कोरोना से पीड़ित हुए, ठीक हुए और फिर हार्ट अटैक से चल बसे। उनकी जगह उनके बेटे हफीजुल हसन मंत्री बने फिर मधुपुर से उपचुनाव जीता।

छाती में दर्द की शिकायत अस्पताल में हुई मौत

सुदिव्य कुमार सोनु का शनिवार देर रात गिरिडीह में निधन हुआ। गिरिडीह के हरसिंगरायडीह स्थित आवास पर वह देर रात सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें छाती में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद परिजन तत्काल उन्हें गिरिडीह के मर्सी हॉस्पिटल ले गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया गया है कि उन्हें हार्ट अटैक आया था।

खबर संक्षेप

बोकारो के बाजार में आग से 8 दुकानें खाक

बोकारो। झारखंड के बोकारो जिले में रविवार को एक बाजार में लगी आग में आठ दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब 6:30 बजे सेक्टर-छह बाजार में लगी आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि दमकल की 3 गाड़ियों की मदद से करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया।

गोदावरी में कूदे परिवार के 4 लोग, 3 की मौत

गोदावरी। आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में एक ही परिवार के 4 लोगों ने एक पुल से गोदावरी नदी में कथित तौर पर छलांग लगा दी। इस घटना में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला को बचा लिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को लिंगा अभियान के दौरान तीन शव मिले, जबकि स्थानीय मछुआरों ने एक महिला को बचाया।

संभल में ऑटो-डंपर की टक्कर, 5 की मौत

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार सुबह मुरादाबाद-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। बहजोई थाना क्षेत्र के बमनेटा गांव के पास एक सवारियों से भरा ऑटो सामने से आ रहे डंपर से टकरा गया। हादसे में 2 बच्चों समेत 5 की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया है।

चेन्नई में टीविके नेता की बीच सड़क पर हत्या

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में एक शख्स की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक ने हाल ही में सत्ताधारी टीविके के ज्वाइन की थी। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि 6 लोगों के गैंग ने कन्नन पर हमला कर दिया। पूरी घटना चेन्नई के वन्ननदुर्ग इलाके की है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव भेजा है।

गिद्धों का संरक्षण बेहद जरूरी: मंत्री भूपेंद्र

पंचकूला। अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस रविवार को हरियाणा के पंचकूला में मनाया गया। इस मौके पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने 'संकट से सुधार की ओर - भारत के गिद्धों का संरक्षण' थीम पर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस दौरान भूपेंद्र ने कहा कि जानवरों में गिद्धों का संरक्षण बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री सुवेंदु ने किया बड़ा ऐलान, बंगाल के स्कूलों में बदलेगा इतिहास सिलेबस में जुड़ेंगे मुखर्जी, प्रणवानंद के अध्याप किताबी ज्ञान नहीं, ‘महान हस्तियों’ को पढ़ेंगे



एजेसी ► कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सियासत और शिक्षा व्यवस्था में एक नया और ऐतिहासिक पन्ना जुड़ने जा रहा है। राज्य सरकार ने स्कूलों के सिलेबस में एक ऐसा बदलाव करने का मन बनाया है जो आने वाली पीढ़ी को उनके राज्य की जड़ों से और गहराई से जोड़ेगा। अब बंगाल के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चे सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं बल्कि उन महान शख्सियतों के बारे में भी पढ़ेंगे जिन्होंने बंगाल को एक नई दिशा दी। इस अहम फैसले के तहत भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत सेवाश्रम संघ की नींव रखने वाले स्वामी प्रणवानंद के जीवन, उनकी उपलब्धियों और उनके महान योगदान को स्कूली पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा बनाया जा रहा है।



दोनों ने लोगों के अधिकारों की रक्षा की

यह कदम सिर्फ एक आम सिलेबस बदलाव नहीं है बल्कि बंगाल के उस दौर की यादों को ताजा करने की एक संजीवा कौशिश है, जब देश बंटवारे के गहरे दर्द से गुजर रहा था। 1947 के उस मुश्किल और उथल-पुथल भरे वक़्त में इन दोनों हस्तियों ने जिस तरह से बंगाल के लोगों के हकों की रक्षा की और एक मजबूत नेतृत्व दिया, उसे अब स्कूलों की किताबों में खास जगह मिलेगी। सरकार की मंशा बिल्कुल साफ है। वह चाहती है कि आज की युवा पीढ़ी यह अच्छी तरह जाने कि बंगाल के निर्माण में किन लोगों का परीना और संघर्ष शामिल है। डॉ. शंमुखर्जी को उनके सिध्दासी सफर, शिक्षा के क्षेत्र में किए गए बड़े सुधारों और बंगाली हितों की ढाल बनने के लिए हमेशा याद किया जाता है।

स्वामी प्रणवानंद ने समाज सेवा और अध्यात्म की अलख जगाई स्वामी प्रणवानंद का जिक्र भी इस नए सिलेबस की बेहद अहम कड़ी है। समाज सेवा और अध्यात्म के जरिए उन्होंने जो अलख जगाई, वह आज भी भारत सेवाश्रम संघ के रूप में समाज की भलाई का काम कर रही है। इंस्पायनिंग की सच्ची सेवा और उस मुश्किल दौर में बेघर हुए लोगों को राहत पहुंचाने के उनके कामों को अब बच्चों तक पहुंचाया जाएगा। इतिहास की किताबों में इन दोनों के जुड़ने से छात्रों को न सिर्फ सिध्दासी और सामाजिक नजरिया मिलेगा। बल्कि उनमें अपने राज्य की सांस्कृतिक पहचान को लेकर भी एक नई और गहरी समझ पैदा होगी।

गुवाहाटी में स्वर्ण जयंती में उपराष्ट्रपति उच्च शिक्षा का उद्देश्य लोकतंत्र को सार्थक बनाना होना चाहिए

एजेसी ► गुवाहाटी

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य केवल छात्रों को करियर के लिए तैयार करना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें समाज और लोकतंत्र में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाना भी होना चाहिए। राधाकृष्णन ने गुवाहाटी में गीतानगर कॉलेज के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने पूर्व 'कन्या

महाविद्यालय' के नाम से जाने जाने वाले कॉलेज की नई शैक्षणिक इमारत का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन भी किया। असम के अपने पहले दौर के दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में शिक्षण संस्थान सबसे अहम हैं। वे आवश्यक कुशल श्रमशक्ति तैयार कर सकते हैं।

‘नाराज फूफा’ टिप्पणी पर खरगे बोले नाकामियां छिपाने विपक्ष को नया विशेषण दे रहे प्रधानमंत्री

एजेसी ► नई दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'नाराज फूफा' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना अपनी 'नाकामियों' को छिपाने के लिए हर साल विपक्ष को नया विशेषण देने की उनकी कार्यशैली का हिस्सा है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के मंच का दुरुपयोग करने और शनिवार को आयोजित कॉलेज के शताब्दी समारोह को 'एक और राजनीतिक प्रचार' में बदलने का आरोप लगाया। अध्यक्ष



मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा प्रधानमंत्री श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में गए। वह युवाओं, शिक्षा पर संवाद का अवसर था। लेकिन युवाओं के सवालों का सामना करने के बजाय भाषण फिर एक राजनीतिक प्रचार में बदल गया।

सहारनपुर स्थित कलेक्ट्रेट में विवादित मस्जिद का ढांचा ढहा

एजेसी ► सहारनपुर

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में विवादित मस्जिद का ढांचा ढहाए जाने के बाद मलबे की सफाई के दौरान उर्वरक को रविवार को उसके नीचे एक कुआं मिला है। अधिकारियों ने कहा कि यह कुआं लगभग 20 फीट गहरा और 1.5 मीटर चौड़ा है। बताया जा रहा मस्जिद के नीचे मिला यह कुआं उस समय सामने आया जब शनिवार को बुलडोजर कार्रवाई के बाद कलेक्ट्रेट परिसर से मलबा हटाया जा रहा था।

यहां मलबे के नीचे मिला 100 साल पुराना कुआं, एएसआई करेगी जांच



अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह सफाई के दौरान मलबे के नीचे एक कंक्रीट की स्लेब दिखाई दी। जब कटर को मजबूत कर दिया गया, तो उसके ठीक नीचे यह गहरा कुआं निकला।

ऐतिहासिक महत्व का लगाया जाएगा पता

कुआं मिलने की खबर फैलते ही सहारनपुर के उपजिलाधिकारी सुबोध कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने कुएं की प्राचीनता और इसके ऐतिहासिक महत्व का पता लगाने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को तुरंत इसकी सूचना दी।

कोटा में जगदीश का कारनामा भगवान हनुमान बने मतदाता वोटर लिस्ट में लगाई फोटो

एजेसी ► कोटा

नगर निगम चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे ही चुनाव को लेकर रोमांच भी लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसा ही एक मामला शहर के वार्ड नंबर 29 से सामने आया है, जहां की वोटर लिस्ट में एक नाम के आगे हनुमान जी का फोटो लगा है। वोटर लिस्ट के तहत मतदाता का नाम जगदीश पुत्र रामचंद्र है। उसका घर भी प्रेम नगर इलाके में बताया गया है। लेकिन यहां के बीएलओ 10 दिन बाद भी जगदीश को तलाश नहीं कर पाए हैं। बीएलओ का कहना है कि जगदीश

मुंबई का जीसीबी सेवा मंडल कर रहा बड़ा आयोजन गजब...गणेश उत्सव के लिए 703 करोड़ रुपए का बीमा कराया

एजेसी ► मुंबई

मुंबई के जीसीबी सेवा मंडल ने आगामी गणपति उत्सव के लिए 703.27 करोड़ रुपए का बीमा कराया है, जबकि पिछले साल यह रकम 474 करोड़ रुपए थी। आयोजकों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5 दिन तक चलने वाले इस उत्सव के दौरान भगवान गणेश की प्रतिमा को 66 किलोग्राम से अधिक सोने और 335 किग्रा चांदी के गहनों से सजाया जाएगा। 10 दिन तक चलने वाला गणपति उत्सव 14 सितंबर से शुरू होगा।

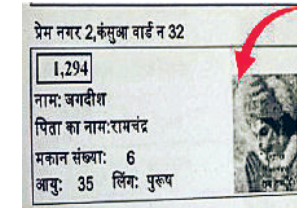
474 करोड़ था पिछले साल, 66 किलो से अधिक सोने से सजाया, 335 किग्रा चांदी लगी

यहां का सबसे समृद्ध गणेश मंडल माने जाने वाला जीसीबी सेवा मंडल, किंग्स सर्कल में इस उत्सव का आयोजन करता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। जीसीबी सेवा मंडल ने कहा कि वह 14 से 18 सितंबर तक 5दिन के लिए अपना 72वां गणेशोत्सव आयोजित करेगा। बारह सितंबर को रात 8 बजे विराट दर्शन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

यहां का सबसे समृद्ध गणेश मंडल

मुंबई के सबसे अमीर गणपति मंडल के रूप में मशहूर जीएसबी सेवा मंडल ने इस साल अपने इश्योर्स कवर में भारी बढ़ोतरी की है। इससे पहले मंडल ने साल 2025 में 474 करोड़ रुपए और साल 2024 में 400 करोड़ रुपए का बीमा कराया था। यह बीमा सुरक्षा मंडल के कर्मचारी सोने-चांदी के आभूषणों, श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों, पुजारियों, सुरक्षाकर्मियों, रसोइयों, पंडाल और आसपास के परिसर को किसी भी दुर्घटना या अप्रिय घटना से कवर करता है।

का नाम उन्होंने नहीं जोड़ा है। यह गलती से हुआ है या जानबूझकर किसी ने किया है, इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को कर दी गई है। वहीं, सवाल यह भी उठता है कि बिना बीएलओ की अनुमति के वोटर लिस्ट में न तो किसी का नाम जुड़ता है और न ही हटता है तो इतनी बड़ी गलती आखिर कहां से हो गई?



सात्विक-चिराग बने चाइना मास्टर्स चैंपियन, फाइनल में चीनी दीवार को दी मात

एजेसी ►► शेनजेन

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेड्डी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू को जोड़ी को हराकर चाइना मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने 1 घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। यह भारतीय जोड़ी का इस सत्र का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था और थाईलैंड ओपन सुपर 500 के फाइनल में भी जगह बनाई थी।

एशियाई खेलों से पहले बढ़ा आत्मविश्वास

दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय जोड़ी के लिए यह खिताब जापान में 19 सितंबर से पहले होने वाले एशियाई खेलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है, जिसमें वह अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय जोड़ी का सामना चीन की ऐसी जोड़ी से था, जो लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय सर्किट से दूर रहने के कारण रैंकिंग में गिरकर 70वें नंबर पर पहुंच गई थी। हे जी टिंग के लिए यह वापसी के बाद केवल तीसरा टूर्नामेंट है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम घोषित, कुल 77 एथलीट शामिल

जापान में बजेगा हरियाणा का डंका

म्हारे 10 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

हरिभूमि न्यूज ►►रोहतक

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 20वें एशियाई खेल आइची-नगोया (जापान) एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स दल की घोषणा कर दी है। 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जापान में होने वाले इस खेल महाकुंभ में भारत हांगझोऊ के 29 पदकों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़ने के इरादे से उतरेगा। भारतीय दल में 34 पुरुष और 43 महिला एथलीटों सहित कुल 77 सदस्यीय दल भाग ले रहा है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य राजकुमार मिटान ने कहा कि इस बार भारतीय एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल घोषित किया गया है जो पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा। खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड़ ने जानकारी दी कि कामनवेल्थ गेम्स विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों में भारतीय टीम में सीमा कालीरमण, यशवीर सिंह, अविनाश साबले, पारुल चौधरी, ज्योति याराजी और शैली सिंह जैसे विश्वस्तरीय खेल सितारे शामिल हैं। पुरुष वर्ग में 18 एथलीट ट्रेक इवेंट में और 16 एथलीट फील्ड इवेंट में अपना खेल रण कौशल दिखाएंगे, जबकि महिला वर्ग में 15 एथलीट ट्रेक इवेंट, 15 फील्ड इवेंट और 13 एथलीट रिले तथा कंबाईड इवेंट में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

ईस्ट जोन ने बनाया रनों का पहाड़, साउथ जोन हुआ पस्त

चेन्नई। ईस्ट जोन ने एनए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शानदार शुरुआत की। इस टीम ने पहले दिन (रविवार) के खेल की समाप्ति तक 4 विकेट खोकर 385 रन बना लिए हैं। फाइनल में कप्तान इशान ने कप्तान इशान के शतक पहले दिन और तीन बल्लेबाजों के अर्धशतकों से ईस्ट जोन को पहले बना दिया। ईशान ने 385 रन

फस्ट क्लास क्रिकेट में 10वां शतक बनाया और वे 111 रन बनाकर नाबाद हैं। वे अभी तक 14 चौके व एक छक्का लगा चुके हैं। उनके अलावा शिखर मोहन ने 85, अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 और कुमार कुशाब ने नाबाद 63 रन की पारी खेली। अर्जेंटीना के कप्तानी वाली साउथ जोन की टीम के लिए चन्ना मिलिंद ने सबसे ज्यादा दो विकेट लिए।

इंटर मियामी ने अटलांटा से खेला ड्रा, संन्यास लेने के बाद स्टार खिलाड़ी मैस्सी का दमदार खेल

एजेसी ►► मियामी

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने मैदान पर अपना प्रभाव छोड़ने का सिलसिला जारी रखा है। मेस्सी ने इंटर मियामी के लिए दो गोल में मदद की लेकिन उनकी टीम अटलांटा युनाइटेड के खिलाफ 2-2 से ड्रा पर रोक दी गई। अर्जेंटीना के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद यह मेस्सी का पहला मुकाबला था। इंटर मियामी की ओर से लुइस सुआरेज और कासेमिरो ने गोल किए। टीम ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में दूसरे स्थान पर है और शीर्ष पर मौजूद नैशविले से 10



अंक पीछे है। नियमित सत्र में उसके 11 मुकाबले बाकी हैं। कासेमिरो ने 32वें मिनट में मेस्सी की कॉर्नर

भारतीय जोड़ी का दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन

भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में काफी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी रैलियों को लंबा खींचना शुरू किया। सात्विक ने प्लिक सर्विस का इस्तेमाल किया और प्रतियुद्धी जोड़ी को बार-बार फ्रंट कोर्ट में खेलने से रोका। इस तरह सात्विक और चिराग ने कई मुकाबले के बाद 7-6 की बढ़त हासिल कर ली। चिराग के बॉडी स्मैश से भारतीय जोड़ी ने लगातार पांचवां अंक हासिल करते हुए स्कोर 9-6 कर दिया, लेकिन सात्विक की सर्विस गलती से उनकी बढ़त का सिलसिला टूट गया। चिराग के स्मैश की मदद से भारत ने बैक तक चार अंक की बढ़त बना ली।

रोमांचक फाइनल में चीन के खिलाड़ियों को 1 घंटे 10 मिनट में दी मात



तीसरे फाइनल में जगह बनाई

सात्विक और चिराग ने हालांकि इससे पहले चीन की इस जोड़ी के खिलाफ हुए अपने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। भारतीय जोड़ी ने फाइनल तक पहुंचने के सफर में तीन गेम के तीन मुकाबले खेले थे। इन सभी मुकाबलों में उन्होंने पहला गेम जीतने के बाद दूसरा गेम गंवाया था। सात्विक और चिराग ने इस साल के अपने 10वें टूर्नामेंट में तीसरे फाइनल में जगह बनाई।

भारतीय जोड़ी को मिले तीन मैच प्वाइंट

सात्विक की सर्विस से स्कोर 14-16 हुआ और फिर भारतीय जोड़ी ने जल्द ही 16-16 से बराबरी हासिल कर ली। इसके बाद हे जी टिंग शटल को नेट में लगा बैठे, जिससे भारत 18-17 से आगे हो गया। नेट कोर्ट की मदद से भारतीय जोड़ी को तीन मैच प्वाइंट मिले और और चिराग ने जोरदार स्मैश लगाकर खिताब भारत की झोली में डाल दिया।

भारतीय जोड़ी नहीं बना सकी रैलियों पर नियंत्रण

भारतीय जोड़ी शुरुआत में रैलियों पर नियंत्रण नहीं बना सकी। हे जी टिंग और रेन ने तेज और आक्रामक शॉट्स से 5-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने आक्रमण जारी रखा, जिससे यह बढ़त 8-3 हो गई। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियुद्धी जोड़ी के डिफेंस को भेड़ने की कोशिश की, लेकिन चीन की जोड़ी ने बैक तक अपनी बढ़त छह अंक की कर ली। भारतीय खिलाड़ी प्रतियुद्धी जोड़ी की गति से तालमेल नहीं बिठा सके और अंतर बढ़कर 7-14 हो गया। हे जी टिंग शानदार लय में नजर आ रहे थे और लगातार स्मैश लगा रहे थे। फिर चिराग की एक सर्विस गलती ने मुश्किलें और बढ़ा दीं, जिससे चीन की जोड़ी ने बढ़त 17-9 कर दी। इसके बाद चिराग का एक और शॉट बाहर जाने से चीन की जोड़ी ने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया।

झेंग ने जीते लगातार आखिरी सात गेम, चौथे राउंड में एंट्री

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

झेंग चिनवेन ने शानदार वापसी करते हुए लगातार आखिरी सात गेम जीतकर 22वीं वरीयता प्राप्त कीज को 1-6, 7-6 (3), 7-5 से हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। इस जीत के बाद झेंग कोर्ट पर पीट के बल लेटी थी और उनके हाथ हवा में थे। वह ऐसी जीत का जश्न मना रही थीं, जिसकी उम्मीद शायद सिर्फ उन्हें ही थी। दूसरी ओर कीज आंसुओं को रोकने की कोशिश करते हुए बता रही थीं कि आखिर कैसे झेंग लगभग मैच से बाहर होने के बावजूद जीत हासिल करने में सफल रहीं। साल 2017 की उपविजेता कीज ने दूसरे सेट का टाईब्रेक हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए 5-0 की बढ़त बना ली। झेंग ने एक गेम जीता लेकिन 5-1 पर सर्विस करते समय कीज के पास मैच प्वाइंट था। वह इसे भुना नहीं सकीं और यहीं से मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल गया। एक समय निराशा में कीज अपना रैकेट बार-बार सिर पर मारते देखीं। झेंग ने कहा, मेहनत का फल मिलता है। अब उनका सामना 2022 की यूएस ओपन चैंपियन इगा स्वियातेक से होगा।



कांटे की मुकाबले में जीती ओसाका

नाओमी ओसाका ने एलिस मर्टेंस को 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। 2 घंटे 38 मिनट चले मुकाबले के अंतिम अंक के बाद दो बार की चैंपियन ओसाका ने अपना सिर रैकेट पर रख लिया, मानो इस 13वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को खुद भी अपनी जीत पर यकीन नहीं हो रहा हो।

मैं सचमुच हैरान हूं : नाओमी

ओसाका ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मैंने यह मैच जीत लिया। मैं सचमुच हैरान हूं कि मैं जीत गई। ओसाका की वापसी झेंग जितनी मुश्किल तो नहीं थी, लेकिन वह निष्पाद्यक सेट में 2-4 से पीछे थीं। उन्होंने कठिन मुकाबले के दौरान अपनी झुंझलाहट जाहिर करने के लिए माफी भी मांगी।

फ्रिट्ज हुए उलटफेर का शिकार

पुरुषों में नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज हालांकि उलटफेर का शिकार होने से नहीं बच पाए। फ्रिट्ज ने दो सेट की बढ़त गंवा दी और 24वीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरेंडोलो से 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हार गए। फ्रिट्ज ने कहा, मुझे नहीं पता कि आज मैंने ऐसा कैसे होने दिया। अमांडा अनिसिमोवा भी बाहर हो गईं। फ्लोरिनो कोबोली को 28वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ब्लॉन्स ने चार सेट में हराया। इसके साथ ही पुरुष एकल ड्रा में शीर्ष 10 में से छह वरीय खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं।

इंटर मिलान और मैनचेस्टर सिटी की रोमांचक जीत, मार्टिनेज और हालैंड ने दागे शानदार गोल

एजेसी ►►लंदन।

लौटारो मार्टिनेज ने आखिरी क्षणों में अपना दूसरा गोल दागकर इंटर मिलान को इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सीरी ए में नेपोली पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई, तो वहीं एलिंग हालैंड के गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में कोवेंट्री की 1-0 से हराकर तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।

इंटर मिलान की तरह सीरी ए के एक और रोमांचक मुकाबले में रोमा ने आखिरी मिनटों में दो गोल कर तीन मैचों में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। इंटर मिलान के



खिलाफ माटेओ पोलितानो और रासमुस होयलुंड ने 50वें और 53वें मिनट में गोल कर गत

चैंपियन नेपोली को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके तीन मिनट बाद मार्टिनेज ने गोल कर इंटर की

पुरुष वर्ग:- पुरुष वर्ग के ट्रैक इवेंट में गुरिंदरवीर सिंह, अनिलेश कुजूर, विशाल टी.के., राजेश रमेश, मनु टी एस, धर्मवीर चौधरी, मोहम्मद अशफाक, जय कुमार, मोहम्मद अफखल, कृष्ण कुमार, यूनुस शाह, गुलवीर सिंह, अविनाश साबले, सचिन बरवाल, कार्तिक करकेरा, प्रणव गुप्ता, यशस पी. और संतोष तमिलराजन दौड़ लगाएंगे। पुरुष फील्ड इवेंट में एम. श्रीशंकर, शाहनवाज खान, प्रवीण चित्रावेल, कार्तिक उज्ज्वलकृष्ण, देव मीना, कुलदीप कुमार, सवेश कुशारे, आदर्श राम, करणवीर सिंह, तजिंदरपाल सिंह पूर, यशवीर सिंह, रोहित यादव, दमनीत सिंह, प्रवीण कुमार, तेजस्विन शंकर और थोफोक एन. मैदान में उतरेंगे।

महिला वर्ग:- महिला वर्ग की वीरंगनाओं में हरीता मद्दा, उज्जति बोलंद, प्राची, किरण यादव, अनुष्का यादव, तान्वा चौधरी, मंजू रानी, प्रियंका गोस्वामी, पूजा, अनामिका के.ए. तथा रिले रेस में सुदृष्णा, स्नेहा, निथ्या, तमन्ना, श्रावनी, अश्विन्या, नीरू पाठक, रश्मी कौर, अंसा बाबू, पूवम्मा आर और सलीनी नगर देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

कृष्णा जयशंकर, अन्जू रानी, सीमा, सान्या यादव, अनुष्का यादव, तान्वा चौधरी, मंजू रानी, प्रियंका गोस्वामी, पूजा, अनामिका के.ए. तथा रिले रेस में सुदृष्णा, स्नेहा, निथ्या, तमन्ना, श्रावनी, अश्विन्या, नीरू पाठक, रश्मी कौर, अंसा बाबू, पूवम्मा आर और सलीनी नगर देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

साई किशोर का इंग्लैंड में बवाल 18 में से 12 ओवर फेंके मेडन

एजेसी ►► लंदन

भारत के बाएं हाथ के फिरकी बॉलर आर साई किशोर ने इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में धूम मचा दी। ब्लूसेस्टरशर की ओर से खेलते हुए डर्बीशर के खिलाफ उन्होंने 20 रन देकर 5 विकेट लिए। इससे उनकी टीम 213 रन से जीत हासिल करने में सफल रही। साई किशोर ने दूसरी पारी में बॉलिंग का आगाज किया और 18 ओवर फेंके। इनमें से 12 मेडन रहे। उन्होंने अपने पहले 8 ओवर में ही 5 विकेट चटका लिए थे और इसके लिए केवल छह रन दिए थे। साई किशोर ने डर्बीशर के टॉप सात में से पांच बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने हेरी केम, मैथ्यू मोंटगोमरी, वेन मेडसेन, एयुरिन डॉनल्ड और ब्रूक गेस्ट को वापस भेजा। इससे डर्बीशर की टीम का स्कोर 15 ओवर में छह विकेट पर 41 रन हो गया। साई किशोर के अलावा ऑलिवर प्रॉड्स ने तीन और एड मिडलटन ने दो विकेट लिए। इससे डर्बीशर की टीम 38.5 ओवर में ही सिमट गई।

साई ने बॉलिंग के साथ बैटिंग में दिया योगदान

साई किशोर ने मैच में कुल 7 विकेट लिए। उन्होंने पहली पारी में 23 ओवर में 59 रन खर्च कर दो बल्लेबाजों को आउट किया था। एक बार उन्होंने बैटिंग की और 20 रन का योगदान दिया। जेम्स बेसी के साथ सातवें विकेट के लिए उन्होंने 48 रन की अहम साझेदारी की। ब्लूसेस्टरशर ने इस सीजन की दूसरी ही जीत हासिल की। वहीं डर्बीशर को सीजन की छठी शिकस्त झेलनी पड़ी।

साई का काउंटी चैंपियनशिप कमाल प्रदर्शन

29 साल के साई किशोर ने इस सीजन ब्लूसेस्टरशर के लिए कमाल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने 23.07 की औसत से 13 विकेट लिए हैं। वहीं 34.5 की औसत से 69 रन भी बनाए हैं। साई किशोर को दलीप ट्रॉफी के लिए साउथ जोन में जगह नहीं दी गई थी। ऐसे में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में खेलने का फैसला किया था। वे काफी समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार बढ़िया खेल दिखा रहे हैं।



एचएफ जूनियर एशिया कप महिला टीम ने मलेशिया को दी करारी शिकस्त

मोकी। भारतीय महिला टीम ने एचएफ जूनियर एशिया कप के एलीट पूल मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त देकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर जीत के साथ अभियान शुरू करने वाली भारतीय टीम की ओर से मलेशिया के खिलाफ सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारत ने चार गोल मैदानी खेल से, पांच पेनल्टी कॉर्नर और दो पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए किए। पूजा साहू ने पहले ही मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। गत चैंपियन भारत ने अपना दबदबा कायम रखते हुए आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने एक और गोल कर दिया। पूर्णिमा ने दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपना दूसरा गोल किया। इसके बाद हाफटाइम से पहले दो और गोल हुए। सुखवीर कौर ने 21वें मिनट और गीता यादव ने 28वें मिनट में गोल किया, जिससे भारत मध्यांतर तक 7-0 से आगे था। मलेशिया ने 38वें मिनट में नूर मोहम्मद के गोल से खाता खोला, लेकिन इसके बावजूद मुकाबले पर भारत का दबदबा बरकरार रहा।

अल्मिरोन ने अटलांटा की ओर से बराबरी का गोल कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने तेलास्को सेगोविया की ओर शानदार लॉफ्टेड पास खेला। सेगोविया ने गेंद सुआरेज की ओर बढ़ाई और उरुग्वे के स्टार ने मध्यांतर से ठीक पहले दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर इस सत्र का अपना 12वां गोल दाग दिया। मैच के 87वें मिनट में ब्रेल एम्बोलो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर अटलांटा को फिर बराबरी दिला दी। इसके बाद इंटर मियामी ने आखिरी मिनटों में कई मौके बनाए, लेकिन अटलांटा ने उन्हें गोल में तब्दील नहीं होने दिया और मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ।

किक पर हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद मिगुएल

लौटारो मार्टिनेज ने आखिरी क्षणों में अपना दूसरा गोल दागकर इंटर मिलान को इटली की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग सीरी ए में नेपोली पर 3-2 की रोमांचक जीत दिलाई, तो वहीं एलिंग हालैंड के गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में कोवेंट्री की 1-0 से हराकर तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।



खिलाफ माटेओ पोलितानो और रासमुस होयलुंड ने 50वें और 53वें मिनट में गोल कर गत

चैंपियन नेपोली को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके तीन मिनट बाद मार्टिनेज ने गोल कर इंटर की

वापसी की शुरुआत की। मार्कस थुयाम ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया। आखिरी पलों में मैनुअल अकांजी के प्रयास से गेंद मार्टिनेज तक पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर इंटर को जीत दिला दी। अटलांटा के खिलाफ मटियास सोले ने आखिरी समय में गोल और गोल में मदद कर रोमा को 2-1 से जीत दिलाई। उन्होंने 90वें मिनट में मारियो हमोसो के गोल में मदद की, जिससे एडरसन के शुरुआती गोल की बराबरी हुई। इसके तीन मिनट बाद सोले ने खुद गोल कर रोमा को जीत दिला दी। लीग के एक अन्य मैच में टोरिनो ने फियोरेंटीना को उसके घरेलू मैदान पर 2-1 से हराया।

Dr. Juneja's®

पेट सफा

Natural Laxative Granules & Tablets

यदि आप कब्ज, गैस और एसिडिटी से परेशान हैं तो आज ही लीजिए 'पेट सफा' आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स/टेबलेट्स। पेट सफा पहली रात से असर दिखाता है, और इसकी आदत भी नहीं पड़ती।

20% EXTRA

पेट सफा

NO THERAPY

पेट सफा

TABLETS

कब्ज

गैस

एसिडिटी

पेट सफा..... तो हर रोग दफा

रात को एक चम्मच खाओ सुबह फ्रेश हो जाओ...

कब्ज

गैस

एसिडिटी

पेट सफा..... तो हर रोग दफा

Divisa

www.divisa.com

24x7 Helpline: 011-263898

www.petsafa.com

खबर संक्षेप

ईरान में ईंधन टैंकर में धमाका, 11 की मौत

तेहरान। पश्चिमी ईरान में एक सड़क हादसे के बाद ईंधन टैंकर में हुए धमाके में 11 लोगों की मौत हो गई। विस्फोट के कारण आसपास चल रही कई गाड़ियों में भी आग लग गई। हादसे में सात लोग घायल भी हुए हैं। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा कुर्दिस्तान प्रांत के सनंदाज काउंटी और हमदान प्रांत के हमदान काउंटी के बीच स्थित इंटरसिटी सड़क पर हुआ। यह जानकारी कुर्दिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज की इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज के प्रमुख बाबक होदाई ने दी। होदाई ने बताया कि विस्फोट के कारण आसपास चल रही कई गाड़ियों में भी आग लग गई। उन्होंने कहा कि बचाव दल घायलों को सनंदाज के एक अस्पताल में भर्ती करा चुके हैं।

वैष्णो देवी हेलिकॉप्टर का किराया 15 प्रतिशत बढ़ा

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अब हेलिकॉप्टर यात्रा के लिए अधिक जेब ढीली करनी पड़ेगी। श्राइन बोर्ड ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल एर्राईव की बढ़ती कीमतों का हवाला देते हुए किराये में लगभग 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नई दरें 15 अक्टूबर से लागू होने की संभावना है। मौजूदा समय में एक तरफ का किराया 2,320 रुपये है। अब यह बढ़कर 2,700 हो जाएगा। यानी प्रति व्यक्ति 380 की वृद्धि की गई है। वहीं, दोनों तरफ (आने-जाने) का मौजूदा किराया 4,700 है। नई दरें लागू होने पर ये किराया बढ़कर 5,400 रुपए हो जाएगा। इससे पहले 2022 से लेकर 2025 तक लगातार हर वर्ष किराये में 5-5 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

उप-प्रधानमंत्री जेवियर बटेल आज आएंगे भारत

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को पुष्टि की कि लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश और विदेश व्यापार मंत्री जेवियर बटेल आज भारत आएंगे। 7 से 9 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, बटेल आज 7 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे। जयशंकर की जनवरी में लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान, बटेल ने भारत के साथ संबंधों को गहरा करने का आह्वान किया था।

सिंधु नदी पर भारत का 'मास्टरस्ट्रोक'

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सिंधु नदी के पानी को लेकर एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। पानी का सही एवं समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए लद्दाख में सिंधु नदी पर उपशी में देश का पहला रॉक चेक डैम तैयार किया गया है। फिलहाल इसमें 10 फीट तक पानी भर लिया गया है। इस कदम से जहां लद्दाख के किसानों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा, वहीं पाकिस्तान का अब बूंद-बूंद पानी के लिए लक्ष्मणमर्ग के उप प्रधानमंत्री एवं आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। इसके बाद से भारत इस संधि के तहत आने वाली सभी छह नदियों के पानी का समुचित एवं अधिकतम इस्तेमाल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। सिंधु नदी भी इसी संधि के तहत आती है। ऐसे में इस नदी के पानी को भी रोककर अपने उपयोग में लाने की वृहद योजना बनाई गई है। उपशी में इस डैम के बनने से भारत के हिस्से का जो पानी बहकर पाकिस्तान चला जाता था, वह अब लद्दाख के विकास में काम आएगा। यह परियोजना सिंधु नदी तंत्र के जल उपयोग को लेकर भारत के बदलते और आक्रामक रुख का स्पष्ट संदेश है।

उप-प्रधानमंत्री जेवियर बटेल आज आएंगे भारत

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को पुष्टि की कि लक्जमबर्ग के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश और विदेश व्यापार मंत्री जेवियर बटेल आज भारत आएंगे। 7 से 9 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, बटेल आज 7 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचेंगे। जयशंकर की जनवरी में लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान, बटेल ने भारत के साथ संबंधों को गहरा करने का आह्वान किया था।

सिंगापुर में भारतीयों के खिलाफ नफरत पर भड़के मंत्री लुंग

देशवासियों को दी चेतावनी, कहा- नस्लवाद बर्दाश्त नहीं

एजेसी ►► सिंगापुर

नेपाल में बाढ़ की त्रासदी के बाद भारतीय समुदाय के खिलाफ नस्लवादी और नफरत भरी बातें सुनना बहुत चिंताजनक है। सिंगापुर के सीनियर मिनिस्टर ली सियन लुंग ने 6 सितंबर को यह बात कही है और सिंगापुर के लोगों से नफरत को नकारने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में लोगों को सहानुभूति और एकजुटता दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सिंगापुर के लोगों को नस्ल, भाषा या धर्म से ऊपर उठकर एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। फेसबुक पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि सिंगापुर पर हमेशा ही नस्ल के आधार पर भेदभाव और नफरत फैलाने जैसी भावनाओं का असर पड़ने का खतरा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भले ही देश अलग-अलग नस्लों के बीच सहनशीलता और सम्मान के लिए कोशिश कर रहा है लेकिन लोग नस्ल को लेकर बेपरवाह नहीं हो सकते। समाज में नस्ल और धर्म हमेशा ही मतभेद की वजह बने रहेंगे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाथ्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

दुनिया के नए नक्शे पर विदेश मंत्रालय की यूएन को दो टूक

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे नक्शे के मुताबिक दिखें, हमारी सीमाएं अटल, इनसे समझौता नहीं

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के समान क्षेत्रफल वाले ग्लोबल मैप प्रस्ताव का समर्थन किया है। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह प्रस्ताव किसी विशेष मानचित्र का समर्थन नहीं करता।

भारत ने यूएन के ग्लोबल मैप प्रस्ताव का समर्थन किया

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर भारत का रुख स्पष्ट

समान क्षेत्रफल वाले मानचित्रों के उपयोग को प्रोत्साहन

भारत को गलत या कानूक चित्रण स्वीकार नहीं

रणधीर जायसवाल

भारत का रुख और स्थिति

हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि इस कदम को किसी विशिष्ट मानचित्र, प्रक्षेपण या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण के रूप में समझा जाना चाहिए, न कि 'इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन' या किसी अन्य विशिष्ट मानचित्र प्रणाली के समर्थन के रूप में।

भारत ने प्रस्ताव के पक्ष में किया मतदान

रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। भारत ने अपने वोट की वजह बताते हुए कहा कि नक्शों में अलग-अलग क्षेत्रों को समान और सही तरीके से दिखाने का मूल सिद्धांत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत किसी खास नक्शे, मैप प्रोजेक्शन या किसी देश की सीमा को किसी खास तरीके से दिखाने का समर्थन नहीं करता है।

जम्मू-कश्मीर को नक्शे के अनुसार ही दिखाएं

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसके संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख शामिल हैं, उन्हें भारत के आधिकारिक नक्शे के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए, भारत का कहना है कि किसी भी तरह का गलत या भ्रामक नक्शा स्वीकार नहीं किया जा सकता। देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर भारत का रुख पहले से ही साफ है। करेक्ट ड मैप प्रस्ताव का उद्देश्य ऐसे विश्व नक्शों को बढ़ावा देना है।

पाकिस्तान पर रणनीतिक प्रहार: लद्दाख में भारत ने बनाया अपना पहला रॉक चेक डैम, बूंद-बूंद पानी को तरसेगा पड़ोसी

56 करोड़ की लागत से बनेंगे 36 और डैम

बिना चूना व सीमेंट के बना डैम, चार करोड़ लीटर है भंडारण क्षमता

उपशी में चल रहा यह पायलट प्रोजेक्ट लद्दाख में जल सुरक्षा को मजबूत करने की व्यापक योजना की महज शुरुआत है। सूत्रों ने बताया कि पूरे लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और डैम बनाना प्रस्तावित है। इस संबंध में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को प्रस्ताव भी भेजा गया है। योजना के मुताबिक, लेह में 7 हिमालयन रॉक चेक डैम और कारगिल में 29 चेक डैम बनाए जाएंगे। कारगिल जिले में सिंधु नदी बटालिक सेक्टर से होते हुए बहती है। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 56 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

इगू फे नहर से खेतों तक पहुंचेगा पानी

लद्दाख के किसानों को अक्सर वसंत ऋतु में बुवाई के समय पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह डैम खेतों में हरियाली लाएगा। डैम में जलस्तर 10 फीट तक बढ़ने से 'इगू फे नहर' के माध्यम से पानी को आसपास के खेतों तक पहुंचाया जाएगा। उपशी परियोजना के आगे बढ़ने के साथ ही लद्दाख में इसी तरह की जल संरक्षण योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की तैयारी की जा रही है।

सिंगापुर में भारतीयों के खिलाफ नफरत पर भड़के मंत्री लुंग

देशवासियों को दी चेतावनी, कहा- नस्लवाद बर्दाश्त नहीं

समाज में नस्ल और धर्म हमेशा ही मतभेद की वजह बने रहेंगे

सीन ने कहा- लोगों को सहानुभूति

सिंगापुर में भारतीय समुदाय के समर्थन में उतरे ली सीन लुंग

ली ने कहा कि इसलिए सिंगापुर को आपसी एकता को मजबूत करने और नस्लीय संझड़व बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत जारी रखनी होगी। उन्होंने नस्लीय टिप्पणी करने वाले देशवासियों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा 'जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो नेताओं को मजबूती और पूरे यकीन के साथ अपनी बात रखनी चाहिए ताकि वे हो रही घटनाओं पर आवाज उठा सकें, लोगों की दबी हुई भावनाओं का फायदा उठाने की

निंदा कर सकें और सभी सिंगापुरवासियों से एकजुट होने की अपील कर सकें। उन्होंने बताया कि सीनियर मिनिस्टर के शानमुगम ने 5 सितंबर को इन मुद्दों पर अपनी बात रखी थी। शानमुगम ने मीडिया को बताया था कि सिंगापुर ने सिंगापुर एयरलाइंस के निवेश से जुड़ी नस्लभेदी और विदेशियों के प्रति नफरत वाली टिप्पणियों की जांच कर रही है। शानमुगम ने कहा कि इन मुद्दों पर कुछ ऑनलाइन टिप्पणियां शर्मनाक, भेदी और पूरी तरह से अस्वीकार्य थीं जिनमें सांप, कर्ी, प्रांटा, काला जादू और नस्लभेदी रुढ़ियों का जिक्र किया गया था।

अमेरिका में शुरू हुई एसआईआर जैसी वोटर लिस्ट जांच

दस लाख भारतवंशी वोटरों के नाम कटने का खतरा!

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटीसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी बहस के बीच अब अमेरिका में भी बड़े पैमाने पर मतदाता सूची की जांच शुरू होने की खबर है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने देशभर के वोटर रिकॉर्ड की समीक्षा और एक राष्ट्रीय मतदाता डेटाबेस तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। मीडिया को मिली जानकारी के मुताबिक इस अभियान के दायरे में करीब 26 लाख भारतवंशी अमेरिकी वोटर भी आ सकते हैं, जिनमें से लगभग 10 लाख के नाम जांच के बाद प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

आईसीडी को मिली वोटर डेटाबेस की जिम्मेदारी

ट्रंप प्रशासन ने इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट आईसीडी को इस प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी दी है। सभी 50 राज्यों में मतदाता सूची की विभिन्न सरकारी रिकॉर्ड और इमिग्रेशन डेटाबेस से मिलाने की तैयारी है। इसके लिए करीब 125 करोड़ रुपए के फंड की बात सामने आई है। भारत के एसआईआर से अलग अमेरिका में घर-घर जाकर सत्यापन नहीं होगा। कंप्यूटर आधारित प्रक्रिया में वोटर रजिस्ट्रेशन की जानकारी को इमिग्रेशन और अन्य सरकारी रिकॉर्ड से क्रॉस-चेक किया जाएगा। रिकॉर्ड में विसंगति मिलने पर संबंधित मतदाता की जानकारी की दोबारा जांच हो सकती है।

भारतवंशी वोटरों पर क्यों पड़ेगा असर?

न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में भारतीय मूल के मतदाता राजनीतिक रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं। ऐसे में वोटर रिकॉर्ड की व्यापक जांच का असर इस समुदाय पर भी पड़ सकता है। हालांकि, वास्तव में कितने नाम हटेंगे, यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। ट्रंप लंबे समय से वोटर आईडी और नागरिकता के सख्त प्रमाण के समर्थक रहे हैं।

राज्यों के अलग-अलग नियम बड़ी चुनौती

अमेरिका में भारत की तरह कोई एक केंद्रीय चुनाव आयोग पूरे देश के चुनाव संचालित नहीं करता। चुनाव व्यवस्था मुख्य रूप से राज्यों और स्थानीय प्रशासन के अधीन है। इसलिए वोटर रजिस्ट्रेशन और पहचान संबंधी नियम भी राज्य-दर-राज्य अलग हैं। इसी वजह से राष्ट्रीय स्तर पर वोटर डेटाबेस बनाने की कवायद कानूनी और राजनीतिक विवाद को जन्म दे सकती है।

ज्वालामुखी फटने से 50 हजार फीट ऊपर तक फैला राख का गुबार

जकार्ता। इंडोनेशिया के अनाक क्रकाटाउ ज्वालामुखी में रविवार तड़के भीषण विस्फोट हुआ है। इससे करीब 50 हजार फीट ऊपर तक राख उड़ी। इसके बाद राजधानी जकार्ता के सोएकार्नो-हट्टा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। पश्चिमी इंडोनेशिया के बड़े हिस्से में ज्वालामुखी की राख फैलने से घरेलू हवाई अड्डों पर 300 उड़ानें रद्द करना पड़ी, देश के बड़े हिस्से में स्कूलों को बंद करना पड़ा है। यह घटना रविवार तड़के 3 बजकर 53 मिनट पर इसमें 30 सेकंड तक विस्फोट हुआ। क्लोज्ड-सर्किट कैमरे के फुटेज में ज्वालामुखी से लावा की लपटें निकलती दिखीं।

INDIA'S MOST TRUSTED BRAND

NO THERAPY

INDIA'S MOST TRUSTED BRAND

Clinically Tested*

Divisa

www.divisa.com

हर बार नया क्यों ? बार बार झाड़माइश छोड़ियें

अपनी त्वचा पर प्रयोग करना बंद कीजिए, क्योंकि आपका आयुर्वेदिक रूप मंत्रा ही है सर्वश्रेष्ठ जोकि आपके चेहरे की त्वचा को भीतर से निखारने एवं चमकदार बनाने में अति सहायक है, साथ ही यह डार्क सर्कल्स एवं छाइयों को कम करके आपके चेहरे को उज्ज्वल रखने में भी मदद करता है।

शुद्ध आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से निर्मित

रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम में मौजूद ऐलोवेरा, तुलसी, द्राक्षा, हरिद्रा, चंदन, बादाम इत्यादि आयुर्वेदिक जड़ी बूटियाँ चेहरे पर प्राकृतिक नमी सुरक्षित रख एक ट्रीटमेंट की तरह कार्य करती हैं। यह कोई कॉस्मेटिक नहीं आयुर्वेदिक औषधि है।

Paraben Free

Alcohol Free

Steroids Free

Silicon Free

Mineral Oil Free

Roop Mantra

An Ayurvedic Nourishing Face Cream

Roop Mantra

An Ayurvedic Nourishing Face Cream

Helpline : 87755 68686 | www.roopmantra.com